वैशाख कृष्ण पक्ष- 12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 278 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल 14 अप्रैल 2026 मंगलवार

आज का मौसम
36.8 अधिकतम
20.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

चौतरफा धर्मसंकट में पाकिस्तान... क्या ट्रम्प दिखा पाएंगे सही रास्ता?

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

इस्लामाबाद इस समय ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहां से हर रास्ता संकट की ओर जाता दिखाई देता है। अमेरिका और ईरान के बीच सुलह के लिए मध्यस्थ बनने निकला पाकिस्तान, वार्ता फेल होने के बाद, अब खुद ही संघर्ष का संभावित पक्षकार बनता नजर आ रहा है। जो पाकिस्तान कल तक अमेरिका और ईरान के बीच 'हाकिम' बनने का सपना देख रहा था, आज वही 'एक तरफ कुआं, दूसरी तरफ खाई' की स्थिति में फंस गया है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौते के तहत यह वादा किया था कि उनमे से किसी एक देश पर हमला, दोनों पर हमला माना जाएगा। लेकिन यही समझौता अब उसके लिए 'गले की हड्डी' बन गया है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ते ही जब ईरान ने सऊदी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू किया, तो सऊदी अरब ने पाकिस्तान को अपने वादे की याद दिला दी। नतीजा, पाकिस्तान को सैनिक और जेट तैनात करने पड़े।

जोखिम भरे रास्तों से निकलने की चुनौती

आज पाकिस्तान एक ऐसे मोड़ पर है जहां वह ईरान का साथ छोड़ नहीं सकता। सऊदी अरब से मुंह मोड़ नहीं सकता और उसकी हैसियत अमेरिका को नाराज करने की है नहीं । यानि हर रास्ता जोखिम भरा है। अब सवाल यही है, क्या ट्रम्प इस बार पाकिस्तान को राहत देंगे, या फिर यह 'मध्यस्थता का खेल' एक बार फिर उसे और गहरे संकट में धकेल देगा?

वैश्विक दबाव के साथ आंतरिक खतरे

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के दोनों छोरों यानि फारस और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी से भड़के ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि अगर उसके बंदरगाहों पर हमला हुआ, तो वह खाड़ी के सभी तेल आपूर्ति केंद्रों को निशाना बनाएगा। पाकिस्तान के साथ एक और खतरा आंतरिक मोर्चे और ईरानी हमले का भी है । यदि उसने अरब के बचाव की ख़ातिर ईरान पर हमला किया तो जवाबी कार्रवाई के बतौर उसे पलटवार भी झेलना पड़ सकता है। ईरान के साथ पाक की नौ सौ किमी लंबी सरहद भी है । फिर वह बलूचिस्तान से लेकर खैबर पख्तूनख्वा में बीएलए तथा टीटीपी के हमले झेल रहा है। अफगानिस्तान से उसकी तनातनी चल ही रही है । फिर यह तथ्य भी किसी से छुपा नहीं है कि ईरान के बाद दुनिया में शिया मुसलमानों की सबसे बड़ी आबादी पाकिस्तान में ही है। पाक के शिया मौलवियों को जनरल मुनीर पहले ही कह ही चुके हैं कि यदि पाक के शियाओं को कोई दिक्कत है तो वे ईरान चले जाएं । यानि पाक के कदम सऊदी अरब की रक्षा के लिए बढ़े तो पाक के भीतर आंतरिक विरोध का जोखिम भी है । जाहिर है कि यह सिर्फ क्षेत्रीय टकराव नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा संकट का संकेत है। और इसी आग के बीच पाकिस्तान खड़ा है। बिना स्पष्ट रणनीति के।

आर्थिक मजबूरी और कूटनीतिक जुगत

आर्थिक रूप से जर्जर पाकिस्तान की असली उम्मीद थी कि सऊदी अरब से उसे आर्थिक मदद मिलेगी। लेकिन हुआ उल्टा। मदद की जगह उसे युद्ध में उतरने का दबाव मिल गया। अब अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रुकी किश्त, ग्रे लिस्ट से बाहर निकलने की उम्मीद और आर्थिक राहत। सब कुछ अमेरिका की मर्जी पर टिका है। इसीलिए पाकिस्तानी वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब वाशिंगटन पहुंच चुके हैं। मध्यस्थता के बदले 'राहत पैकेज' की उम्मीद लेकर। पाँच दिनी प्रवास के दौरान वे मदद की हर संभावनाओं को टटोलेंगे और उसे परवान चढ़ाने की कोशिश करेंगे । कामयाबी कितनी मिलती है, यह आने वाला वक्त ही बताएगा । यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या डोनाल्ड ट्रम्प इस बार पाकिस्तान के लिए 'मसीहा' साबित होंगे? इतिहास गवाह है कि ट्रम्प की नीतियां पूरी तरह 'स्व हित आधारित' रही हैं। पहले भी उन्होंने पाकिस्तान के साथ नजदीकी दिखाई, लेकिन जब हित पूरे नहीं हुए तो दूरी बना ली। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ पाक सेना के फील्ड मार्शल के व्हाइट हाउस में लंच के बाद उनके अमेरिका परस्त रवैये और खुद की उपेक्षा से काफी दुखी दिखे हैं । इस घटनाक्रम के बाद बीते दिनों संसद में ख़्वाजा आसिफ कह चुके हैं कि अमेरिका ने हमें कंडोम की तरह इस्तेमाल किया। यह आज की कूटनीतिक हकीकत को बयां करता है।

चैन्नई-कोलकाता, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

मुंबई में ड्रग्स पार्टी, ओवरडोज से हुई छात्र-छात्रा की मौत

मुंबई। गोरेगांव स्थित नेस्को ग्राउंड में हुए एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग ओवरडोज से दो छात्रों की मौत ने सनसनी फैला दी। 20-22 साल के युवक और युवती अपने दोस्तों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां कथित तौर पर एक्सटेसी ड्रग्स का सेवन किया गया। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दोनों को बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने मामले में दोस्तों और आयोजकों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। महानगरों में आए दिन होने वाली पार्टियों की तरह ही गोरेगांव में कुछ लोगों ने लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट का आयोजन किया था। इसमें बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए थे। इनमे कई स्टूडेंट्स थे।

नीतीश की आखिरी कैबिनेट सीएम की दौड़ में सम्राट आगे

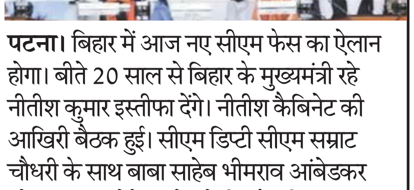

पटना। बिहार में आज नए सीएम फेस का ऐलान होगा। बीते 20 साल से बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार इस्तीफा देंगे। नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक हुई। सीएम डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के साथ बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। जेडीयू के सीनियर लीडर्स नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। दोपहर 3 बजे सीएम लोकभवन जाएंगे, राज्यपाल को इस्तीफा देंगे। इधर, बीजेपी और जेडीयू विधायक दल की बैठक होगी। शाम 4 बजे एनडीए की बैठक के बाद बिहार के नए सीएम का ऐलान होगा। सम्राट चौधरी रेस में आगे चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर देखा

देहरादून। पीएम मोदी दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है। ये कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को कनेक्ट करता है। इससे दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी 6 घंटे से कम होकर ढाई घंटे रह गई है। इससे पहले पीएम सुबह 11 बजे देहरादून पहुंचे। यहां से यूपी के सराहनपुर रवाना हो गए। यहां उन्होंने रोड शो किया। इसके बाद एक्सप्रेसवे पर बने एशिया के सबसे लंबे एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण किया। यह 12 किमी लंबा कॉरिडोर देहरादून से सहारनपुर के बीच बना है।

आज का कार्टून

ट्रम्प का दावा... फिर बातचीत की टेबल पर आना चाहता है ईरान

ईरान का पांच साल परमाणु प्रोग्राम रोकने का प्रस्ताव था, अमेरिका 20 साल पर अड़ा

अमेरिकी नाकेबंदी के बाद भारत के पहले जहाज ने पार किया होर्मुज

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में हुई वार्ता के फेल होने के पीछे के कारण कई बताए जा रहे हैं, लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट ने नया खुलासा किया है। इसके अनुसार में ईरान ने पांच साल तक परमाणु प्रोग्राम के लिए यूरेनियम संवर्धन रोकने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन अमेरिका 20 साल की शर्त पर अड़ा रहा। इस असहमति के कारण दोनों देशों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका।

रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी बंदरगाहों की सैन्य नाकाबंदी शुरू कर दी। अमेरिकी सेना ने कहा कि ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों को रोका जाएगा, हालांकि अन्य देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जाएगी। उधर बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत से संयुक्त अरब अमीरात जा रहा एक जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार करने में सफल रहा। यह जहाज अमेरिकी नाकाबंदी लागू होने के बाद इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाला पहला जहाज बना है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह जहाज भारत से रवाना होकर यूएई की ओर जा रहा था और सभी बाधाओं के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर गया। इससे यह संकेत मिलता है कि नाकाबंदी के बावजूद कुछ जहाजों की आवाजाही अब भी संभव है, हालांकि यह बेहद सीमित और जोखिम भरी बनी हुई है।

अमेरिका बोला- फैसला ईरान को लेना है

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने कहा कि ईरान को परमाणु समझौते पर आगे बढ़ने के लिए खुद कदम उठाने होंगे। उन्होंने साफ किया कि पाकिस्तान में 21 घंटे चली बातचीत के बाद अमेरिका अब वहां से वापस आ रहा है और ईरान की प्रतिक्रिया पर्याप्त नहीं रही। वेंस के मुताबिक आगे की बातचीत इस बात पर निर्भर करेगी कि ईरान कितनी गंभीरता से बातचीत में शामिल होता है। उन्होंने कहा कि अब प्रगति की जिम्मेदारी ईरान पर है और उसे यह दिखाना होगा कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाने के लिए तैयार है।

रूस बनना चाहता है मध्यस्थ

ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध में अब रूस शांतिदूत की भूमिका निभाना चाहता है। पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस संबंध में ऑफर दिया था और अब विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अरागची से फोन पर बातचीत की। रूस की ओर से कहा गया कि सशस्त्र संघर्ष दोबारा न हो, यह बहुत जरूरी है। साथ ही रूस ने एक बार फिर साफ किया कि वह इस संकट को सुलझाने में हर संभव मदद करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

2 दिन बाद फिर ईरान-अमेरिका वार्ता!

एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच एक नई दौर की बातचीत जल्द ही गुरुवार तक हो सकती है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में इस्लामाबाद में हुई उच्चस्तरीय वार्ता भले ही किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंची, लेकिन बातचीत के दरवाजे खुले रहे। इसका मतलब है कि दोनों देश अब भी कूटनीतिक रास्ते से समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आने वाली बातचीत में पिछले मुद्दों पर फिर चर्चा हो सकती है और समझौते की संभावना बनी हुई है।

सैलरी को लेकर बवाल

नोएडा में दूसरे दिन भी पुलिस से झड़प

नोएडा, एजेंसी

नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2-3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया। फिलहाल, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। सीसीटीवी और ड्रोन से मॉनिटरिंग की जा रही है। आज ज्यादातर कंपनियां बंद हैं। इसी बीच, डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा- हिंसा और आगजनी में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई भी उपद्रवियों से कराई जाएगी।

गेहूं खरीदी का सिस्टम किसानों पर भारी, इंतजार करना मजबूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गेहूं खरीदी को लेकर सरकार द्वारा बनाए गए सिस्टम की वजह से किसानों की परेशानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। खरीदी शुरू हुए पांच दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी भी स्लॉट बुकिंग में मंझले और बड़े किसानों का नंबर नहीं आया है। फिलहाल दो-पांच एकड़ वाले किसानों से ही खरीदी की जा रही है।

बड़ी जोत वाले किसानों के सामने मुश्किल यह है कि अब वे स्लॉट बुकिंग का इंतजार करें या फिर इस सिस्टम से बाहर जाकर जो दाम मिले, उसी पर अपनी फसल बेच दें। सोमवार को एक बार फिर नागरिक आपूर्ति निगम ने सर्कुलर जारी किया है कि सिर्फ उन्हीं किसानों से खरीदी की जाए जिनके स्लॉट बुक हुए हैं, ताकि बारदाना उपयोग की सही जानकारी प्राप्त हो सके।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार ने किसानों से गेहूं खरीदी के लिए तारीख कई बार बदली। खरीदी में विलंब होने की वजह से जरूरतमंद किसानों ने अपनी फसल कम दामों में भी बेच दी। कई किसानों के लिए चिंता की बात यह भी है कि उन्हें खुद नहीं पता कि खरीदी के लिए उनके स्लॉट कब बुक हो सकेंगे। सिस्टम ऐसा तैयार किया गया है कि पहले छोटे किसानों का ही नंबर आ रहा है।

अंबेडकर जयंती पर महू में कई राज्यों के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, सीएम डॉ. मोहन यादव भी पहुंचे

महू, दोपहर मेट्रो

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्मस्थली महू में आज मनाई जा रही है। एक दिन पहले से ही यहां महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से अनुयायियों और बौद्ध भिक्षुओं का पहुंचना शुरू हो गया था ।

रात 12 बजे काली पलटन स्थित बाबा साहेब के जन्म स्मारक पर मानवंदना के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद आतिशबाजी की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी महू पहुंचे हैं। उन्होंने यहां वे यहां बाबा साहेब की प्रति पर माल्यापर्ण करने के बाद एक सभा को भी संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। स्मारक समिति के सचिव राजेश वानखेड़े ने बताया कि गर्मी के मद्देनजर परिसर में कारपेट बिछाए गए और ठंडे पानी की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं के रूकने के लिए धर्मशालाओं, केन्ट बोर्ड हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं केन्ट बोर्ड कन्या स्कूल में की गई है। इसके अलावा तीन विशाल डोम भी ठहरने के लिए बनाए गए हैं।

व्यवस्था के लिए कार्यक्रम स्थलों को 7 सेक्टर में विभाजित किया गया। तहसील परिसर महू, अम्बेडकर जन्म स्थली स्मारक तथा स्वर्ग मंदिर परिसर में कन्ट्रोल रूम संचालित हो रहे हैं। एसडीएम राकेश परमार ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से आने वाले अनुयायियों के लिए रुकने और भोजन के प्रबंध किए गए हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

मेट्रो एंकर

आसमानी निगरानी के मोर्चे पर अमेरिकी सैन्य तकनीक के मुकाबले चीन की बड़ी बढ़त

अंतरिक्ष में ड्रैगन के 'त्रिनेत्र', 36 हजार किमी दूर से देख रहे सब कुछ

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने अंतरिक्ष और समुद्री निगरानी के क्षेत्र में एक ऐसा दावा किया है, जिसे अब तक असंभव माना जाता था। उसने पिछले महीने साउथ चाइना सी के विवादित स्प्रैटली आइलैंड के पास से गुजर रहे जापानी तेल टैंकर तोवा मारू की 'लूडी टांस 4-01' सेटेलाइट से ली गई कुछ तस्वीरें जारी की हैं। करीब 340 मीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा यह जहाज आकार में किसी बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर के बराबर है। चीन का दावा है कि उसने पृथ्वी से 35,800 किलोमीटर दूर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में मौजूद अपने सैटेलाइट से इस चलते हुए जहाज की सटीक ट्रैकिंग की है। इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी सिंथेटिक अपर्चर रडार सैटेलाइट ने किसी चलते फिरते टारगेट की निगरानी की हो। इस कामयाबी का मतलब है कि चीन को पूरी दुनिया में अमेरिकी नौसैनिक बेड़े जैसे हाई-वैल्यू टारगेट्स पर चौबीसों घंटे और हर मौसम में नजर रखने के लिए सिर्फ तीन सैटेलाइट्स की जरूरत होगी। इसकी तुलना में, अमेरिका के सबसे हाईटेक रडार सैटेलाइट भी पृथ्वी से सिर्फ कुछ सौ किलोमीटर की ऊंचाई पर काम करते हैं। हाइपरसोनिक हथियारों, छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के बाद, चीन ने अंतरिक्ष निगरानी के इस अहम मोर्चे पर भी अमेरिकी सैन्य तकनीक के मुकाबले एक बड़ी बढ़त हासिल कर ली है।

यह कामयाबी सिर्फ शुरुआत

सामान्य ऑप्टिकल सैटेलाइट बादलों, घने कोहरे या रात के अंधेरे में काम नहीं कर पाते। लेकिन यह तकनीक माइक्रोवेव सिग्नल का इस्तेमाल करती है, जो मौसम की हर बाधा को चीरकर 24 घंटे लगातार हाई-रेजोल्यूशन तस्वीरें लेने में सक्षम है। 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर यह हाई-ऑर्बिट सैटेलाइट दुश्मन के हमलों से सुरक्षित है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, 'लूडी टांस 4-01' सिर्फ शुरुआत है। रिसर्च पेपर्स बताते हैं कि चीन यहीं रुकने वाला नहीं है। वह फिलहाल नेक्स्ट-जनरेशन हाई-ऑर्बिट SAR सैटेलाइट्स को विकसित करने पर काम कर रहा है। भविष्य के ये सैटेलाइट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस होंगे, जो ज्यादा पावरफुल, मल्टीफंक्शनल और स्मार्ट होंगे। ये बिना किसी मानवीय दखल के खुद ही दुश्मन के हाई-वैल्यू टारगेट्स की पहचान करने और लगातार उन्हें ट्रैक करने में सक्षम होंगे।

टनल के जरिए भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंचेगी मेट्रो

मेट्रो की ऑरेंज लाइन के विस्तार के लिए पहाड़ी को काटकर बिछाया जा रहा है पिलर का जाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मेट्रो की ऑरेंज लाइन के विस्तार का काम अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। पिछले काफी समय से बंद पड़े पुल बोगदा मार्ग पर अब मेट्रो के पिलरों को आकार देने का काम शुरू हो गया है। यहां पहाड़ी क्षेत्र की ढलान पर खुदाई पूरी होने के बाद अब लोहे के बड़े-बड़े जाल बिछाए जा रहे हैं। लिहाजा, यहां एलिवेटेड कॉरिडोर खड़ा नजर आने लगेगा।

टनल के जरिए भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंचेगी मेट्रो: अहम बात यह है कि पुल बोगदा से लेकर पुल पातरा तक के इस हिस्से में पिलर बनाए जाएंगे। इसके बाद मेट्रो टनल के जरिए भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंचेगी। हालांकि, निर्माण कार्य के चलते यह रास्ता पिछले आठ-नौ महीनों से आम जनता के लिए बंद है, लेकिन अब काम की रफ्तार देखकर लग रहा है कि जल्द ही यहां का काम पूरा कर लिया जाएगा।

पुल पातरा के बाद जमीन के अंदर से जाएगी मेट्रो

इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात यह है कि मेट्रो सिर्फ पुल पातरा तक ही ऊपर (एलिवेटेड) चलेगी। इसके बाद भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए यह जमीन के अंदर प्रवेश कर जाएगी। प्रदेश की यह पहली अंडरग्राउंड टनल होगी, जिसकी लंबाई लगभग 3.39 किलोमीटर होगी। टनल बनाने वाली टीबीएम मशीन को जमीन के नीचे उतारा जा चुका है।

2028 तक करोंद चौराहे तक का लक्ष्य

गौरतलब है कि इस रूट पर निर्माण कार्य में कुछ रुकावटें और अतिक्रमण की समस्या थी, जिन्हें अब पूरी तरह हटा लिया गया है। 16.74 किमी लंबी ऑरेंज लाइन के साढ़े सात किमी हिस्से पर मेट्रो चल रही है। प्रबंधन का लक्ष्य है कि साल 2028 तक मेट्रो को करोंद चौराहे तक पहुंचा दिया जाए।

फंसा हुआ है अंडरग्राउंड टनल का काम

अंडरग्राउंड टनल का काम अभी थोड़ा फंसा हुआ है। दरअसल, टनल के रास्ते में 45 साल पुरानी शालीमार ट्रेड सेंटर की बिल्डिंग आ रही है। यह इमारत काफी जर्जर हो चुकी है। इसलिए सुरक्षा को देखते हुए मैनिट के विशेषज्ञों से इसकी जांच कराई गई है। मैनिट की रिपोर्ट 25 अप्रैल तक आएगी। रिपोर्ट के बाद ही तय होगा कि बिल्डिंग खाली करानी है या नहीं।

फीस जमा न होने से पढ़ाई पर संकट

छात्रवृत्ति फॉर्म अटका: चार सौ पैरामेडिकल छात्र आज से हड़ताल पर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में पैरामेडिकल छात्रों की छात्रवृत्ति को लेकर विवाद गहरा गया है। सत्र 2023-24 और 2024-25 के 400 छात्र फॉर्म भरने की अनुमति नहीं मिलने से परेशान हैं। समस्या का समाधान नहीं होने पर छात्रों ने आज से हड़ताल पर रहेंगे।

छात्रों ने कॉलेज के एडमिन ब्लॉक के पास प्रदर्शन भी किया था, लेकिन कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलने के बाद हड़ताल पर जाने का फैसला लिया गया। छात्रों का कहना है कि वे लंबे समय से छात्रवृत्ति फॉर्म भरने की अनुमति मांग रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वे छात्रवृत्ति के बिना फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

अस्पताल की सेवाओं पर पड़ेगा असर– पैरामेडिकल स्टाफ अस्पताल की जरूरी सेवाओं से जुड़ा होता है। ऐसे में हड़ताल का असर सीधे मरीजों पर दिखाई देगा। इससे मरीजों को जांच रिपोर्ट के लिए इंतजार करना पड़ सकता है और सर्जरी में देरी की स्थिति भी बन सकती है। वहीं ब्लड टेस्ट और पैथोलॉजी सेवाएं प्रभावित होंगी, एक्स-रे और कैथ लैब की गति धीमी पड़ेगी और ऑपरेशन थिएटर की कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। छात्रों का कहना है कि वे लंबे समय से छात्रवृत्ति फॉर्म भरने की अनुमति मांग रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे बिना छात्रवृत्ति के फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं।

अफसरों को नहीं मिलेंगे मर्जी के कक्ष, सिस्टम से हो रहा आवंटन

निगम अधिकारियों और विभागाध्यक्षों को कक्ष आवंटित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नगर निगम के तुलसी नगर स्थित नए मुख्यालय में अधिकारी और विभागाध्यक्ष अपनी मर्जी से कार्यालय और कक्षों का चयन नहीं कर सकेंगे। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अपर आयुक्त ने सभी को कक्ष तल के अनुसार प्रशासनिक प्रमुख/विभाग प्रमुखों को तल एवं कक्ष आवंटित कर दिए हैं।

भवन के सभी तलों को प्रभाग वार विभाजित किया गया है। भूतल को सार्वजनिक उपयोगिता प्रभाग, पहले तल को राजनीतिक प्रभाग, द्वितीय तल को स्थापना/योजना/पशु चिकित्सक/ जन्म-मृत्यु, राजस्व एवं सामान्य प्रशासन व पेंशन प्रभाग बनाए गए हैं। तीसरी मंजिल को ऑडिट/कम्पयूटर एवं लेखा/वित्त प्रभाग बनाया गया है।चौथी मंजिल जल कार्य एवं सीवेज व एचएफए प्रभाग, तथा पांचवीं मंजिल पर यांत्रिक/योजना प्रकोष्ठ प्रभाग बनाए गए हैं। छटवीं मंजिल खेल शाखा/सीएम हेल्पलाइन/भवन अनुज्ञा/चिकित्सा शाखा के लिए आरक्षित है। सातवीं मंजिल पर स्वास्थ्य, एसबीएम, एनयूएएलएम, विद्युत, जनगणना, निर्वाचन, दमकल, अतिक्रमण, पार्क और झील शाखाएं होंगी और अंतिम आठवीं मंजिल पर नगर निगम आयुक्त एवं सीईओ स्मार्ट सिटी के कार्यालय एवं उससे जुड़ी शाखाएं होंगी। वहीं भवन के भू-तल के कक्ष क्रमांक एक में जनसंपर्क अधिकारी एवं स्टाफ, कक्ष क्रमांक 2 में सहायक जनसंपर्क अधिकारी , कक्ष क्र. 3 में सहायक जनसंपर्क अधिकारी और कक्ष क्र. 4 में स्मार्ट सिटी संपर्क/ भवन अनुज्ञा संपर्क कक्ष होगा। भूतल के ही कक्ष-4 में टैक्स संबंधित विभाग, 06 में जनसंपर्क स्टोर, 7 में रजिस्ट्रार विवाह पंजीयन, 8 में कार्यालय अधीक्षक, 9 में डिस्पेंसरी, 10 में लोक सूचना कार्यालय, 11 में इलेक्ट्रिकल पेनल रूम/बीएमएस रूम तथा कक्ष क्र. 12 में क्रेच/डे-केयर/आंचल कक्ष होगा। निगम के नए भवन में पहली मंजिल के कक्ष क्र. 101 में महापौर, 102 में एमआईसी , 103 में क्रॉन्फ्रेंस हॉल, 104 में परिषद कार्यालय, 105 में एमआईसी, 106 में परिषद अध्यक्ष, 107 में नेता प्रतिपक्ष और 108 में एमआईसी कार्यालय होगा।

आचार्य शंकर प्रकटोत्सव का 17 से

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आचार्य शंकर प्रकटोत्सव का 5 दिवसीय समारोह एकात्मधाम ओंकारेश्वर में होगा। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास संस्कृति विभाग का यह अनुष्ठान 17 से 21 अप्रैल के बीच आयोजित किया गया है। समारोह में देशभर के प्रमुख साधु-संतों के साथ मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव सहित द्वारिका शंकराचार्य सदानंद सरस्वती, स्वामी अवधेशानंद गिरि प्रमुख रूप से शामिल होंगे। बता दें यह आयोजन आदि शंकराचार्य के प्रकटोत्सव (वैशाख शुक्ल पंचमी) के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत 'अद्वैतामृतम' विमर्श श्रृंखला में अद्वैत वेदांत और समकालीन विषयों पर केंद्रीत है।

समाजसेवियों के सहयोग से अतिरिक्त पेयजल व्यवस्था

स्टेशनों पर यात्रियों को मिलेगा ठंडा पानी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे ने भोपाल मंडल के गर्मी में यात्रियों को भीषण गर्मी से बचाव के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था की है। इसके लिए मंडल ने 09 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्याऊ आरंभ कर दिया है। सोमवार को ये प्याऊ शुरू हो चुके हैं। समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से इस प्याऊ में मटकों का ठंडा पीने यात्रियों को मिलेगा।

गर्मी में यात्रियों को राहत दिलाने पानी उपलब्ध कराने की दिशा में भोपाल मंडल ने सभी स्टेशनों पर पानी की पर्याप्त उपलब्धता की जा रही है। डीआरएम पंकज त्यागी के निर्देश पर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने इन प्याऊ का शुभारंभ किया है। कटारिया ने बताया कि

एनजीओ व स्वयंसेवी संस्थाओं ने विदिशा, नर्मदापुरम, संत हिरदाराम नगर, अशोकनगर, गंज बसोदा, खिरकिया, मंडी बामोरा, रूठियाई एवं हरदा समेत 09 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को पानी पिलाने के कार्य शुरू किया गया है। इस कार्य में स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जा रहा है, जिससे यात्रियों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल प्राप्त हो सके।

22 कोचों के यात्रियों को मिलेगा पानी

उन्होंने बताया कि भोपाल मंडल ने इस बार गर्मी में यात्री सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तैयारी की है। खास बात ये है कि ऐसे प्रयास से यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करने में सफलता मिली है। 22 कोचों में पेयजल व्यवस्था करने से विशेष रूप से सामान्य कोच के यात्रियों को भीषण गर्मी में राहत मिलेगी।

किसानों के लिए सहकारिता का बी-पैक्स सदस्यता अभियान आज से

भोपाल। सहकारिता विभाग द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती (14 अप्रैल, 2026) से प्रदेश में संचालित 4500 से अधिक प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में 10 लाख से अधिक किसानों को सदस्य बनाने का महा अभियान शुरू किया जा रहा है। यह अभियान 15 मई तक चलेगा। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख समितियां (बी-पैक्स) राज्य के ग्रामीण सहकारी तंत्र की आधारशिला हैं, जो किसानों को ऋण, कृषि आदान, भंडारण, विपणन तथा अन्य आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराती हैं। वर्तमान में राज्य में अनेक पात्र किसान अभी भी पैक्स के सदस्य नहीं हैं, जिसके कारण वे संस्थागत ऋण एवं अन्य सहकारी सुविधाओं का पूर्ण लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में पैक्स के कार्यक्षेत्र में निवासरत सभी गैर-सदस्य किसानों को प्राथमिकता के आधार पर सदस्य बनाये जाने के लिये महा-अभियान संचालन के लिये कार्य योजना लागू की गई है। यह प्रदेश की समस्त बहुद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं तक विस्तारित होगी। योजना का प्रमुख उद्देश्य राज्य के सभी पात्र गैर-सदस्य किसानों को पैक्स सदस्यता से जोड़ना है, जिससे उन्हें संस्थागत ऋण, कृषि सेवाओं एवं सहकारी सुविधाओं तक सुगम पहुँच प्राप्त हो सके। इस योजना के माध्यम से छोटे, सीमांत, महिला एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बी-पैक्स सदस्यता के लाभ – पैक्स के सदस्य किसानों को अल्पकालीन एवं मध्यमकालीन ऋण आसानी से उपलब्ध होते हैं। इन ऋणों पर ब्याज दरें कम होती हैं, ब्याज अनुदान योजनाओं का लाभ मिलता है। पैक्स के माध्यम से किसानों को उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक उचित मूल्य पर उपलब्ध कराए जाते हैं। पैक्स सदस्य किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से प्राप्त होता है। सदस्य सहकारी संस्था के निर्णयों में भाग ले सकते हैं।

हिंदी लेखिका संघ का लघुकथा पाठ गोष्ठी आयोजित

कम शब्दों में गहरी बात ही लघुकथा की सफलता : मिश्रा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हिंदी लेखिका संघ द्वारा विश्व संवाद केंद्र में लघुकथा पाठ गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कथाकार शीला मिश्रा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ लघुकथाकार चरणजीत सिंह कुकरेजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना से हुआ, जिसे नीलू शुक्ला ने प्रस्तुत किया। स्वागत वक्तव्य में संघ की अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने कहा कि लेखिका संघ निरंतर विधा-आधारित गोष्ठियों का आयोजन करता रहा है और इसी क्रम में लघुकथा पर केंद्रित यह आयोजन किया गया है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में शीला मिश्रा ने कहा कि आज की लेखिकाएँ शब्दों की साधना में निरंतर संलग्न हैं और लघुकथा सीमित शब्दों में जीवन के अनुभवों और घटनाओं को सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत करने की सशक्त विधा है। मुख्य अतिथि चरणजीत सिंह कुकरेजा ने लघुकथा की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए नवीन विषयों पर लेखन की आवश्यकता बताई व अपनी लघुकथा 'गृहलक्ष्मी की सीख' प्रस्तुत की। गोष्ठी में महिमा श्रीवास्तव वर्मा, शालिनी खरे, निरुपमा खरे, मृदुल त्यागी, मधुलिका सक्सेना, नीना सिंह सोलंकी, डॉ. मालती बसंत, डॉ. वर्षा ढोबले, शीला श्रीवास्तव, मधु सक्सेना, उषा चतुर्वेदी, डॉ. कुमकुम गुप्ता, नविता जौहरी, सीमा स्वरागिनी, प्रियंका श्रीवास्तव एवं नीलू शुक्ला सहित लगभग 20 रचनाकारों ने विविध विषयों पर लघुकथाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार सुनीता यादव ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन मधुलिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर लेखिका संघ की सुनीता यादव, अनीता सक्सेना, कल्पना विजयवर्गीय, साधना शुक्ला, नीलिमा रंजन सहित भोपाल के अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे।

नवनिध में छात्राओं व अभिभावकों के लिए सत्र आयोजित

संस्कार विहीन जीवन निरर्थक, बच्चों को अध्यात्म से जोड़ें अभिभावक

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

ईश्वर सर्वव्यापी है और इस संसार को चलाने वाली परम सत्ता एक ही है। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार देना अनिवार्य है, क्योंकि संस्कार के बिना जीवन निरर्थक है। यह विचार शहीद हेमू कालानी एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी ने व्यक्त किए। वे सोमवार को नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में कक्षा पहली की छात्राओं और उनके अभिभावकों के लिए आयोजित विशेष सत्र आरती का महत्व को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नियमित आरती से ईश्वर हमारे सच्चे मित्र बन जाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि बच्चों में शिष्टाचार विकसित करने के लिए उन्हें परम सत्ता के प्रति आस्थावान बनाएं और घर में सकारात्मक वातावरण प्रदान करें। इससे बच्चे न केवल गलत आदतों से बचेंगे, बल्कि माता-पिता का सम्मान भी करेंगे। प्राचार्य अमृता मोटवानी ने कहा कि आरती और प्रार्थना लक्ष्य प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। कोऑर्डिनेटर रीटा आहूजा ने छात्राओं को रोचक कहानी के माध्यम से बताया कि आरती करने से मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और स्मरण शक्ति बढ़ती है। अभिभावक नवरंग धाकड़ ने अपने विचार रखे।

मेट्रो एंकर

तीन दिवसीय 'पुस्तक से मिलिए' कार्यक्रम का समापन

अपने बचपन में प्रवेश कर सृजन करें बाल साहित्यकार -महेश सक्सेना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अपने बचपन में प्रवेश कर सृजन करें बाल साहित्यकार तो वह बड़ा प्रभावी होगा, साथ ही लेखकों को बदलते समय और आज के बच्चों की ज़रूरत के अनुसार लेखन करना होगा यानि वर्तमान समय बाल साहित्य लिखना एक चुनौती पूर्ण दायित्व है।

यह उदगार हैं निदेशक बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध संस्थान के निदेशक महेश सक्सेना के। वे त्रिदिवसीय पुस्तक से मिलिए कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। आयोजन में केंद्र की ओर से मंचस्थ अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया गया, ततपश्चात् केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने स्वागत उदबोधन देते हुए पुस्तक संस्कृति के महत्व पर डालते हुए महत्वपूर्ण कृतियों, उनके लेखकों और समीक्षकों से आम पाठकों से रूबरू होकर अपनी बात साझा करने के ऐसे कार्यक्रम की आवश्यकता पर बल दिया 7 कार्यक्रम में 'नटखट बन्नी' बाल कहानी संग्रह लेखिका डॉ. वर्षा ढोबले ने अपनी सृजन प्रक्रिया और लेखकीय यात्रा के अनुभव साझा किये तथा संग्रह में प्रकाशित दो कथाओं का पाठ किया। इस पुस्तक पर समीक्षक मधुलिका सक्सेना ने अपनी बात रखते हुए इन्हें समय के साथ चलती हुई कहानियाँ बताया। इसके साथ 'सपन मासूम नयनों के' बाल कविता संग्रह रचनाकार कान्ति शुक्ला पर समीक्षक घनश्याम मैथिल अमृत ने कहा कि इस संग्रह की रचनाओं में विविधता है और मनोरंजन के साथ ज़रूरी सन्देश अंतर्निहित हैं। कार्यक्रम में 'मेरा झूला सबसे न्यारा' बाल कविता संग्रह रचनाकार सुधा दुबे पर चर्चा करते हुए समीक्षक मधुलिका सक्सेना ने कहा की संग्रह की बाल कविताओं में परिवार का भाव केंद्र में है इनमें नैतिक मूल्यों के संरक्षण का प्रभावी स्वर है। कार्यक्रम का संचालन कर्नल डॉ. गिरजेश सक्सेना ने किया।

आयोजन के दूसरे सत्र में 'अस्तित्व की यात्रा' लघुकथा संग्रह लेखिका कांता रॉय, युगान्तर कहानी संग्रह लेखक मुज़फ्फर इकबाल सिद्दीकी एवं 'तीसरा तांडव' लघुकथा संग्रह लेखक डॉ. गिरजेश सक्सेना पर चर्चा हुई जिसमें क्रमशः समीक्षक सरिता बघेला, विनीता राहुरीकर एवं मुजफ्फर इकबाल सिद्दीकी ने इन कृतियों पर अपने विचार साझा किये, अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व्हीके श्रीवास्तव ने करते हुए सभी कृतियों को हिंदी साहित्य कों समृद्ध करने वाली महत्वपूर्ण कृतियां बताते हुए लेखकों कों बधाई दी। कार्यक्रम का सफल संचालन गोकुल सोनी ने किया और अंत में मधुलिका सक्सेना ने सभी उपस्थित जनों का आभार माना ।

भाजपा स्थापना दिवस - 'सेवा पखवाड़ा' में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान

संतनगर. भाजपा मंडल इकाई ने पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। सेवा पखवाड़ा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमे उन वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया गया, जिन्होंने दशकों तक अपने त्याग और समर्पण से संगठन की नींव को मजबूत करने का कार्य किया है। सम्मानित होने वाले प्रमुख वरिष्ठों में पूर्व विधायक सुशील वासवानी, रमेश जनयानी, केशव लेखवानी, संतोष रायचंदनी, वासदेव वाधवानी और नारायणदास लालवानी शामिल रहे। साथ ही राजू खूबचंदनी, नंद तनवानी, हरिदास पेसवानी, संध्या प्रधान, किशन अच्छानी, राम श्रीचंदानी, अर्जुन मारण व हुकुम माली का भी सम्मान किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल और मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

हिंदू-मुस्लिम के जीवंत स्तंभ थे संत कंवरराम

संतनगर. पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में संत अमर शहीद भगत कंवरराम साहिब की 141वीं जयंती श्रद्धा रिमा के साथ मनाई गई। मुख्य मार्ग स्थित संत कंवरराम की प्रतिमा के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पंचायत अध्यक्ष माधू चांदवानी ने कहा कि जब चारों ओर सांप्रदायिकता का दौर था, तब संत कंवरराम हिंदू-मुस्लिम एकता के जीवंत स्तंभ के रूप में उभरे। उन्हें हिंदू भक्त भगत तो मुस्लिम भाई कंवर फकीर कहकर पुकारते थे। उनके भजनों में सिंध की सामूहिक चेतना का सार समाहित था। उन्होंने सिंधी भाषा और संस्कृति को इतनी ऊंचाइयों तक पहुँचाया कि आज भी उनके सूफी कलामों को सबसे प्रामाणिक माना जाता है।

पार्षद अशोक मारण ने संबोधित करते हुए कहा कि अमर शहीद संत

भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न
डॉ. भीमराव अम्बेडकर
को कोटि-कोटि नमन
न्याय, समानता और समरसता के मूल्यों से सशक्त होता मध्यप्रदेश
136वीं जयंती समारोह
14 अप्रैल, 2026
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)
जिला इंदौर
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
"भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज कल्याण के लिए किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबासाहेब की न्याय, समानता और समरसता की विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी।"
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को समर्पित विकास
आस्था से जुड़ाव
बाबासाहेब से जुड़े महू, दिल्ली, नागपुर, मुंबई और लंदन में स्थित 5 ऐतिहासिक स्थल मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल
वैश्विक आस्था और अध्ययन का केंद्र महू
स्मारक, संग्रहालय, सभागार, स्वागत द्वार एवं अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर का विकास
सम्मान का प्रतीक नामकरण
महू रेलवे स्टेशन का नाम 'डॉ. अम्बेडकर नगर'
युवा स्व-रोज़गार उद्यम को नई उड़ान
डेयरी इकाई के लिए कामधेनु योजना में ₹42 लाख तक ऋण
आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक अनुदान
संत रविदास स्व-रोज़गार योजना में ₹1 लाख से ₹50 लाख तक सहायता
उद्योग उदय योजना के माध्यम से MSME को वित्तीय सहयोग
शिक्षा में उत्कृष्टता का सम्मान
डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना 10वीं-12वीं में प्रोत्साहन पुरस्कार
उच्च शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु अम्बेडकर फैलोशिप
पर्यावरण और विरासत का संगम
सागर में 25वां डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य घोषित
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
D-11005/26

युद्ध का असर और श्रमिक अशांति

युद्ध व संघर्ष के माहौल का असर पूरी अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। दुनिया के ताकतवर देशों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिर तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं।

निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दर्शाती हैं। दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित महसूस करना वातावरण को अस्थिर बनाता है। औद्योगिक अशांति केवल उत्पादन-निवेश तक ही सीमित नहीं रहती। इससे आपूर्ति शृंखला बाधित होने और निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका भी पैदा होती है। असंतोष दूर करने के लिए अपेक्षा की जाती है कि सरकार श्रमिकों के हिलमें निर्णय ले।

जन्म दिवस पर विशेष

डॉ. भीमराव आंबेडकर: व्यापक और बहुआयामी व्यक्तित्व का समग्र परिप्रेक्ष्य

डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे
स्तंभकार

भारतीय इतिहास में कुछ महान व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनकी छवि समाज के सामने सीमित रूप में प्रस्तुत होती है, जबकि उनका वास्तविक योगदान उससे कहीं अधिक व्यापक और बहुआयामी होता है। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर भी ऐसे ही एक महान पुरुष हैं। सामान्यतः उन्हें केवल 'संविधान निर्माता' या 'दलितों के उद्धारक' के रूप में जाना जाता है, किन्तु यह उनके विराट व्यक्तित्व का केवल एक अंश है। उनके जीवन और कार्यों का गहराई से अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि वे एक अद्वितीय विद्वान, प्रखर अर्थशास्त्री, दूरदर्शी चिंतक, समर्पित शिक्षाविद, सिद्धांतनिष्ठ पत्रकार, श्रमिकों के हितैषी तथा सच्चे राष्ट्रनेता थे।

डॉ. आंबेडकर का प्रारंभिक जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में बीता। आर्थिक अभाव और सामाजिक भेदभाव के बीच उन्होंने जिस दृढ़ता और लगन से उच्च शिक्षा प्राप्त की, वह अद्भुत है। अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उन्होंने उच्चतम शैक्षणिक उपाधियाँ प्राप्त कीं। उनके शोध कार्य आज भी अर्थशास्त्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण संदर्भ माने जाते हैं। उनकी प्रसिद्ध कृति 'The Problem of the Rupee' ने भारतीय वित्तीय व्यवस्था की दिशा निर्धारित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना की वैचारिक आधारशिला रखी। एक शोधकर्ता और चिंतक के रूप में डॉ. आंबेडकर ने अनेक प्रचलित धारणाओं को चुनौती दी। उन्होंने तथाकथित 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' को तार्किक आधार पर अस्वीकार करते हुए यह सिद्ध किया कि भारतीय समाज की जड़ें एक ही सांस्कृतिक स्रोत में निहित हैं। अपनी पुस्तक 'Who Were Shudras' में उन्होंने शूद्रों की ऐतिहासिक स्थिति का पुनर्मूल्यांकन किया और यह स्थापित किया कि वे मूलतः क्षत्रिय थे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जाति व्यवस्था जन्म आधारित न होकर एक सामाजिक विकृति के रूप में विकसित हुई। संस्कृत भाषा के प्रति उनके गहरे अनुराग और प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन ने उनके विचारों को और भी प्रखर बनाया।

शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने न केवल शिक्षण कार्य किया, बल्कि शिक्षा के प्रसार हेतु संस्थागत प्रयास भी किए। People's Education Society की स्थापना, सिद्धार्थ कॉलेज और मिलिंद कॉलेज का प्रारंभ- ये सभी उनके शिक्षा के प्रति समर्पण के प्रमाण हैं। उनका मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त साधन है। वे शिक्षा को जीवनभर आवश्यक मानते थे और चाहते थे कि यह समान रूप से सभी वर्गों तक पहुँचे। पत्रकारिता के क्षेत्र में डॉ. आंबेडकर ने जनजागरण का प्रभावी माध्यम तैयार किया। 'मूकनायक', 'बहिष्कृत भारत' और 'जनता' जैसे पत्रों के माध्यम से उन्होंने समाज के वंचित वर्गों की आवाज़ को मुखर किया। वे एक सिद्धांतनिष्ठ और अनुशासित संपादक थे, जोकि लेखन की गुणवत्ता और तथ्यात्मकता पर विशेष ध्यान देते थे। उनकी पत्रकारिता केवल सूचना देने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह समाज में चेतना और परिवर्तन का माध्यम भी थी। श्रमिक हितों के लिए उनके प्रयास विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। वायसराय की परिषद में श्रमिक प्रतिनिधि के रूप में उन्होंने कार्य घंटे को 12 से घटाकर आठ घंटे करने, ओवरटाइम भुगतान, न्यूनतम वेतन, मातृत्व अवकाश और कर्मचारी बीमा जैसी अनेक सुविधाओं को लागू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उनके सामाजिक न्याय के व्यापक दृष्टिकोण का ही परिणाम था कि उन्होंने श्रमिक वर्ग के अधिकारों को सशक्त बनाने का निरंतर प्रयास किया।

दलितों के उद्धार के लिए उनका संघर्ष उनके जीवन का केन्द्रीय उद्देश्य था। उनका संघर्ष सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए था, न कि वैमनस्य फैलाने के लिए। उन्होंने अपने जीवन में अनेक अपमान सहते हुए भी अहिंसा और संवेदनशीलता का मार्ग नहीं छोड़ा। यह उनकी महानता का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है कि उन्होंने सामाजिक परिवर्तन के लिए संघर्ष किया, परंतु उसे हिंसा से दूर रखा। धार्मिक दृष्टिकोण से भी उनका चिंतन अत्यंत स्पष्ट और तार्किक था। लगभग दो दशकों के विचार-मंथन के बाद उन्होंने 1956 में बौद्ध धर्म को अपनाया। यह निर्णय उन्होंने कहना चाहिए कि तत्कालीन समय में सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए संभवतया लिया। उनके अनुसार बौद्ध धर्म भारतीय संस्कृति का ही अभिन्न अंग है और उसमें मानवता के लिए आवश्यक नैतिक आधार निहित है।

एक राष्ट्रनेता के रूप में डॉ. आंबेडकर का योगदान सर्वविदित है। भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी भूमिका निर्णायक रही। उन्होंने संविधान को स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के सिद्धांतों पर आधारित किया। उनका मानना था कि सिर्फ राजनीतिक लोकतंत्र पर्याप्त नहीं है, सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र भी आवश्यक है। उन्होंने अपने ऐतिहासिक भाषण में यह भी चेतावनी दी कि व्यक्ति-पूजा लोकतंत्र के लिए घातक हो सकती है और हमें अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संवैधानिक मार्ग ही अपनाना चाहिए। राष्ट्रीय विकास के संदर्भ में भी उनकी सोच अत्यंत दूरदर्शी थी। उन्होंने जल और ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय नीतियों की आवश्यकता पर बल दिया तथा नदियों को जोड़ने और औद्योगीकरण को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। राष्ट्रीय एकता के विषय में वे अत्यंत सजग थे और भाषाई आधार पर राज्यों के गठन को लेकर उन्होंने अपनी आशंकाएँ व्यक्त कीं। उनका मानना था कि यह प्रवृत्ति भविष्य में राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन सकती है।

डॉ. आंबेडकर की एक विशेषता यह भी थी कि वे समय और परिस्थितियों के अनुसार अपने विचारों में परिवर्तन करने से नहीं हिचकते थे। पूना समझौते के समय उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने पूर्व विचारों में लचीलापन दिखाया। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि देश की आजादी की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है।

अंततः कहना यही है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची महानता उपलब्धियों में सीमित नहीं की जा सकती है, वह वास्तव में उन मूल्यों में निहित होती है जिनके आधार पर व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करता है। इसलिए वे केवल एक वर्ग विशेष के नेता नहीं थे, बल्कि समूचे राष्ट्र के पथप्रदर्शक थे। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों को समग्रता में समझें और उन्हें अपने जीवन तथा समाज में आत्मसात करें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण बिल, 'तुम बहुत बोल चुके, अब मैं बोलूंगी'

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस के पूर्व अध्यक्ष

बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण आ गया है। केन्द्रीय मंत्रीपरिषद ने इसे पारित कर दिया है। महिला आरक्षण सामाजिक समता का ऐतिहासिक दस्तावेज है। इससे अथर्ववेद के एक मंत्र की ध्वनि सुनाई पड़ रही है। इस मंत्र में एक स्त्री कहती है, 'तुम बहुत बोल चुके। अब मैं बोलूंगी।' भारत में प्राचीन काल से ही स्त्री सम्मान रहा है। महिलाओं की खराब स्थिति का प्रचार करने वाले मिथ्या आरोप लगाते रहे हैं।

भारतीय समाज में स्त्रियां, पुरुष के बराबर सम्मानीय रही हैं। वैदिक काल में भी स्त्री सम्मान था। वैदिक काल की एक प्रतिष्ठित महिला मुदग्लानी रथ पर चढ़कर युद्ध में हिस्सा लेती थीं। युद्ध में उनके वस्त्रों का संचालन वायु देव ने किया था। ऋग्वेद के अनुसार युद्ध में विपशला का पैर कट गया। अश्वनी देवों ने उसे धातु का पैर लगा दिया था। पति और पत्नी को मिलाकर दंपत्ति बनता है। दंपत्ति में नारी की प्रतिष्ठा है। ऋग्वेद में अनेक सूक्तों में स्त्री सम्मान के तत्व हैं। सृष्टि की उत्पत्ति जल से होने का तथ्य चार्ल्स डार्विन ने भी स्वीकार किया है। जल माता का विचार डारविन के बहुत पहले वैदिक काल में ही पुष्ट हो चुका था। ऋग्वेद में 'आपः मातरम'-जलमाताओं को नमस्कार किया गया है। ऋग्वेद में अदिति नाम की एक महादेवी हैं। कहा गया है, ''इस अस्तित्व के सभी तत्व अदिति हैं। अब तक जो कुछ हो गया है और जो कुछ भविष्य में होगा वह सब अदिति है।'' ऋग्वेद का सूक्त पठनीय है। अदितिः द्यौः अदितिः अन्तरिक्षं अदितिः माता सः पिता सः पुत्रः अदितिः विश्वेदेवाः अदितिः पंचजनाः अदितिः जातम जनित्वम-द्युलोक अदिति है, अंतरिक्ष भी अदिति है, माता-पिता-पुत्र सब अदिति हैं, सारे देव अदिति हैं, जो पंचजन सप्तसिन्धु में निवास करते हैं, वह सब अदिति हैं। जो कुछ उत्पन्न हुआ है और जो कुछ आगे उत्पन्न होगा, वह सब अदिति है। (ऋग्वेद 1.89.10) यूनानी देवतंत्र में अदिति के समान गूढ़ दार्शनिक अर्थ रखने वाली कोई देवी नहीं है।

विवाहित होना सम्मानीय था। स्मृतियों में दीर्घकाल तक अविवाहित बने रहने की आलोचना की गई है। विवाह नाम की संस्था का विकास धीरे-धीरे हुआ है। ऋग्वेद के रचनाकाल तक विवाह संस्था का समुचित विकास हो रहा था। स्त्री दासी नहीं है। ऋग्वेद के एक सुंदर मंत्र में नववधू को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया है कि, ''यह नववधू दीर्घकाल तक जिए। दीर्घकाल तक काम करे। ससुर और सभी परिजनों पर शासन करे।'' यह भारतीय संस्कृति का प्राचीन तत्व है।

भारत में नारी की स्थिति सभी कालों में सम्माननीय रही है। पूर्वजों ने स्त्री को समाज का संरक्षक माना है। वैदिक काल में महिलाएं मंत्रदृष्टा ऋषि भी थीं। बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार राजा जनक ने विद्वानों की सभा बुलाई थी। अनेक विद्वान इस गोष्ठी में सम्मिलित थे। विद्वानों की सभा में गार्गी ने याज्ञवल्क्य से सीधे सवाल पूछे थे। पूछा था कि, ''यह संपूर्ण अस्तित्व किस तत्व पर टिका हुआ है?'', ''सृष्टि किस आधार पर खड़ी है।'' याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया, ''जल पर।'' गार्गी ने उत्तर के बाद पूछा, ''जल किसमें आधारित हैं?'' फिर पूछा गया कि, ''इस अस्तित्व को कौन देवता आधार देते हैं?'' गार्गी ने पूछा, ''इस विराट अस्तित्व का आधार क्या है?'' याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया ब्रह्म ही सबको धारण करता है। ब्रह्म ही सर्वोच्च हैं। गार्गी ने अगला प्रश्न पूछा कि, ''ब्रह्म किस पर आधारित हैं। याज्ञवल्क्य ने कहा, ''ब्रह्म सर्वोच्च हैं। ब्रह्म ही भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट होते हैं। ब्रह्म का कारण ब्रह्म हैं। ब्रह्म असीम हैं। अनंत हैं।

वैदिक काल में अनेक स्त्रियां वेद मंत्रों की रचयिता या दृष्टा ऋषि भी रही हैं। इनमें लोमसा, लोपामुद्रा, यमी, श्रद्धा, ब्रह्मवादिनी जुहू, सूर्या, इंद्राणी, कच्छीवान की पुत्री घोषा आदि स्त्रियों की प्रतिष्ठा किसी भी विद्वान से कम नहीं थी। पूर्वजों ने मातृ शक्ति को पुरुष जैसा सम्मान दिया है। ऋग्वेद के एक सूक्त में पौलोमी सची द्वारा व्यक्त उद्गार देखने योग्य हैं। वे कहती हैं, 'मैं ज्ञानवती हूं। मैं मूर्धन्य हूं। मैं तेजस्वी वक्ता हूं। मैं शत्रुओं का विनाश करती हूं। पति मेरे अनुकूल व्यवहार करते हैं। ऐतरेय ब्राह्मण में गंधर्व ग्रहीता कुमारी का विवरण है। शतपथ ब्राह्मण के अनुसार मैत्रेयी ऋषि याज्ञवल्क्य की पत्नी थीं। उनकी रुचि ब्रह्म विद्या में थी। याज्ञवल्क्य ने सन्यासी होने का निर्णय लिया। दोनों पत्नियों को बुलाया और बताया कि हमारी संपदा दोनों पत्नियां मिलकर बांट लो। इस पर मैत्रेयी ने कहा कि, 'मुझे धन संपदा नहीं चाहिए। आपको जो ज्ञान प्राप्त हो वही मुझे दीजिए।' कृतार्षिनी ने मीमांसा दर्शन पर ग्रंथ लिखा था। वैदिक काल में शिक्षा की उत्तम व्यवस्था थी। इनमें तमाम महिलाएं आचार्य थीं। बच्चों को पढ़ाती थीं। पाणिनी की व्याकरण के अनुसार उपाध्याय की पत्नी को उपाध्यायानी कहा गया है और जो स्त्री स्वयं अध्ययन का कार्य करे उसके लिए उपाध्याय शब्द ठीक होगा। वैदिक काल में संपत्ति पर स्त्रियों का भी अधिकार था। महिलाएं घर की प्रधान थीं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

यूरिन में में खून आना किडनी स्टोन अथवा प्रोस्टेट कैंसर का संकेत भी हो सकता है

पेशाब में खून आना किसी अंदरूनी समस्या का संकेत हो सकता है। यह समस्या पुरुष और महिला दोनों को हो सकती है और दोनों के कारण भी अलग हो सकते हैं। कभी समस्या साफ दिखाई देती है, तो कभी जांच के बाद इसका पता चल पाता है। पेशाब में खून आने का सही कारण जानना बहुत जरूरी है, ताकि रोगी के सही उपचार किया जा सके। सही समय पर जांच और इलाज से बड़ी समस्याओं से बचा जा सकता है। अगर आपको पेशाब में खून दिखे, तो तुरंत इसकी जांच कराएं। समय पर जांच से बीमारी का सही कारण पता चलता है और इलाज आसान हो जाता है।

आमतौर पर पेशाब में खून आने पर निम्नलिखित लक्षण दिखाई देते हैं- गुलाबी, लाल या गहरे रंग का पेशाब , जलन या दर्द, बार-बार पेशाब आने की इच्छा, पेट या कमर में दर्द और इन्फेक्शन होने पर बुखार। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं जैसे- बैक्टीरिया के कारण यूरिनरी ट्रैक्ट में सूजन हो जाती है, जिससे अंदरूनी परत में जलन और खून आने लगता है। किडनी या यूरिन पाइप में बने पत्थर चलते समय अंदरूनी हिस्से को खरोंचते हैं, जिससे खून निकल सकता है और तेज दर्द होता है। बढ़ा हुआ प्रोस्टेट यूरिन के रास्ते पर दबाव डालता है, जिससे ब्लड वेसल्स फट सकते हैं। किडनी के फिल्टर खराब होने पर खून आने लगता है जो पेशाब के साथ शरीर से बाहर निकलता है। किडनी, ब्लैडर या प्रोस्टेट कैंसर में बिना दर्द के भी पेशाब में खून आ सकता है, जो कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है। बहुत ज्यादा एक्सरसाइज या चोट के कारण भी पेशाब में अस्थायी रूप से खून आ सकता है।

महिलाओं को ज्यादा खतरा: पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में यूरिन इन्फेक्शन का खतरा ज्यादा होता है, क्योंकि उनकी यूरिन नली छोटी होती है। पुरुषों में यूरिन इन्फेक्शन के अलावा उम्र बढ़ने के साथ, प्रोस्टेट और कैंसर से जुड़ी वजहों के कारण पेशाब में खून आता है। यूरिनरी ट्रक इंफेक्शन का एंटीबायोटिक्स और ज्यादा पानी पीना से इलाज होता है। किडनी स्टोन में दवा, पानी या सर्जरी होती है।

शरीर के इन संकेतों को समझें: पेशाब में खून आए तो इसे नजरअंदाज न करें। शरीर के इन संकेतों को समझें। अगर एक बार भी पेशाब में खून दिखे, दर्द, बुखार या वजन कम हो और लक्षण लगातार बने रहें। इसके अलावा अगर आपको पहले से किडनी या यूरिन की समस्या है तो अपनी जांच जरूर कराएं। शरीर के संकेतों को समझकर गंभीर रोगों को बढ़ने से रोका जा सकता है। पेशाब में खून आना रोकने या इससे बचने के लिए ये उपाय किए जा सकते हैं- रोज पर्याप्त पानी पिएं, साफ-सफाई का ध्यान रखें, पेशाब को देर तक न रोकें, हेल्दी डाइट लें, रेगुलर वर्कआउट करें। संकेत दिखने पर तुरंत अपनी जांच कराएं। शरीर में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों पर ध्यान दें। समय पर जानकारी और सही निर्णय न केवल बीमारी को रोक सकते हैं। बल्कि जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखने में भी मददगार साबित होते हैं।

सुविचार

किरण चाहे सूर्य की हो या फिर आशा की, जीवन के सभी अंधकार मिटा देती है।
–अज्ञात

निशाना

नहीं लगाना आग जमूरे..!

नीतिराज चौरे 'नीति'

लोभ धन का त्याग ज़मूरे,
नहीं लगाना आग ज़मूरें।।
बेचा दिया ईमान ज़मूरे,
बनता है नादान ज़मूरे।।
कर दे तू बलिदान ज़मूरे,
बना कीर्तिमान ज़मूरे।।
किया यदि अपमान ज़मूरे,
ना होगा सम्मान ज़मूरे।।
करते रहना दान ज़मूरे,
खूब बढ़ेगा मान ज़मूरे।।
मृग तृष्णा है जाल ज़मूरे
अब चल सीधी चाल ज़मूरे।।
करना अच्छा काम ज़मूरे,
ऊंचा होगा नाम ज़मूरे।।
दुनियां है विज्ञान ज़मूरे,
यही से मिलता ज्ञान ज़मूरे।।

यूजर्स गाइड

इंडक्शन लेते वक्त जरूरी है पावर रेटिंग देखना वरना देर से बनेगा खाना और बढ़ेगा बिजली बिल

नया इंडक्शन खरीदते समय अगर समझदारी नहीं दिखाई तो खाना देर से बनेगा, बिजली बिल भी बढ़ सकता है। इंडक्शन लेते समय उसकी पावर रेटिंग पर ध्यान देना जरूरी है। बेहतर पावर रेटिंग के साथ आप इंडक्शन में डीप फ्राई किए जाने वाले फूड आइटम भी बना पाएंगे। कम पावर रेटिंग पर डीप फ्राई में वक्त लगता है और देर तक इंडक्शन चलाने से बिजली बिल बढ़ता है।

इंडक्शन चूल्हों की मांग लगातार बनी हुई है। हालांकि इंडक्शन खरीदते समय लोग गलतियां भी कर रहे हैं। सोचिए अगर 4 से 5 लोगों के परिवार के लिए आप एक ऐसा इंडक्शन खरीद लाए जो 1 से 2 लोगों की छोटी फैमिली के लिए हो? इसका नुकसान यह होगा कि खाना देर से बनेगा और लगातार इंडक्शन इस्तेमाल करने के कारण आप बढ़े बिजली बिल से परेशान होंगे। इंडक्शन चूल्हा लेते समय पावर रेटिंग पर ध्यान देना चाहिए। इससे आप एक सही इंडक्शन का चुनाव कर पाते हैं और बेहतर उपयोग भी होता है।

क्या होती है इंडक्शन में पावर रेटिंग? : मिल्टन के ब्लॉग पोस्ट के अनुसार, इंडक्शन चूल्हों में पावर रेटिंग उनके मॉडल और साइज के आधार पर दी जाती है। यह सुनिश्चित करता है कि खाना कितनी तेज या धीमे बनेगा। उदाहरण के लिए- अगर आप 1600 वॉट का इंडक्शन चूल्हा लेते हैं तो उस पर जरूरत का पूरा खाना बनाया जा सकता है, लेकिन अगर आप 2 हजार वॉट का इंडक्शन खरीदते हैं तो उसमें भारी बर्तनों के साथ डीप फ्राई किए जाने वाले आइटम भी बना सकते हैं। सिंगल चूल्हे वाले इंडक्शन आमतौर पर 2 हजार वॉट रेटिंग तक आते हैं।

अगर 4 से 5 लोगों का परिवार है तो आपको कम से कम 1600 वॉट का इंडक्शन चूल्हा लेना चाहिए। मैंने खुद भी इतने वॉट का इंडक्शन लंबे वक्त तक इस्तेमाल किया है और उस पर जरूरत का पूरा खाना आराम से बन जाता है। हालांकि आप अगर डीप फ्राई किए जाने वाले आइटम अधिक बनाते हैं तो 2 हजार वॉट पावर रेटिंग तक का इंडक्शन खरीद सकते हैं।अगर आप इंडक्शन को अपने प्राइमरी चूल्हे के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं और LPG से हटना चाहते हैं तो फिर 2 हजार वॉट से अधिक पावर रेटिंग वाला चूल्हा लेना चाहिए। मार्केट में 7 हजार वॉट तक के इंडक्शन चूल्हे उपलब्ध हैं। इनमें मल्टी बर्नर यानी एक से अधिक चूल्हे मिल जाते हैं जिस पर एकसाथ काफी सारा खाना बनाया जा सकता है।

पावर रेटिंग देखना क्यों है जरूरी: पावर रेटिंग से सुनिश्चित होता है कि इंडक्शन कितना खाना, कितनी तेजी के साथ बना सकता है। पावर रेटिंग यह भी बताती है कि इंडक्शन पर डीप फ्राई वाले आइटम कितने बनाए जा सकेंगे। अधिक पावर रेटिंग वाला इंडक्शन लेने का फायदा यह होगा कि उससे कम टेंपरेचर पर भी चलाया जा सकता है, लेकिन कम पावर रेटिंग वाले इंडक्शन को अधिक तापमान पर नहीं चला सकते। कम पावर रेटिंग पर देर तक फ्राई होने वाले आइटमों को बनाने में समय लगेगा और लगातार बिजली खर्च होगी। इससे बिजली बिल में बढ़ोतरी होगी। ?

वायरल कंटेंट

एजुकेशन लोन जल्द से जल्द चुकाने का था जूनून, 1 साल में चुका दिया 80 लाख का कर्जा

इस महिला ने महज एक साल के अंदर करीब 80 लाख रुपये के भारी-भरकम स्टूडेंट लोन को पूरी तरह खत्म कर दिया है। खास बात यह रही कि उसे न कोई अचानक पैसा मिला और न ही कोई चमत्कार हुआ है। बल्कि यह सब उसके मजबूत इरादों, सख्त अनुशासन और समझदारी भरी लाइफस्टाइल का नतीजा था।

कर्ज का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के मन में डर और चिंता घर कर जाती है। आम इंसान ही नहीं, बड़े-बड़े लोग भी इससे बचने की कोशिश करते हैं। लेकिन अमेरिका में रहने वाली एक भारतीय युवती ने कर्ज को लेकर ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसने सभी को चौंका दिया। इस महिला ने महज एक साल के अंदर करीब 80 लाख रुपये के भारी-भरकम स्टूडेंट लोन को पूरी तरह खत्म कर दिया है। आज के दौर में विदेश में पढ़ाई के लिए बड़ा लोन लेना आम बात बन चुकी है, लेकिन उसे जल्दी चुका पाना आसान नहीं होता। यह युवती भी उसी स्थिति में थी। लेकिन उसने शुरुआत से ही ठान लिया था कि वह अपने कर्ज का बोझ अपने परिवार पर नहीं डालेगी। उसका लक्ष्य साफ था उसे जल्द से जल्द करीब 1 लाख डॉलर के इस कर्ज को खुद ही खत्म करना था। अपने फोकस और प्लानिंग के दम पर उसने तय समय में यह लक्ष्य हासिल कर लिया जो आज कई लोगों के लिए प्रेरणा बन गया है।

इस कामयाबी के पीछे उसकी सादगी और अनुशासित जीवनशैली की सबसे बड़ी भूमिका रही है। उसने अपने खर्चों पर सख्ती से कंट्रोल किया। जहां आमतौर पर लोग बाहर खाना, घूमना-फिरना या शॉपिंग पर खुलकर खर्च करते हैं, वहीं उसने इन सभी चीजों से दूरी बना ली। उसने अपनी जरूरतों को सीमित कर लिया और हर खर्च करने से पहले कई बार सोचने की आदत डाल ली। उसके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता सिर्फ एक थी कर्ज से जल्द से जल्द छुटकारा पाना।

सिर्फ खर्च घटाना ही नहीं, उसने अपनी कमाई बढ़ाने पर भी बराबर ध्यान दिया। अपनी मुख्य नौकरी के अलावा उसने कई छोटे-छोटे साइड काम शुरू किए। खाली समय में भी वह लगातार काम करती रही थी. ताकि ज्यादा से ज्यादा इनकम हो सके और उसे सीधे लोन चुकाने में लगाया जा सके। इस दौरान उसने एक सख्त बजट बनाया और उसी के हिसाब से अपनी पूरी लाइफस्टाइल ढाल ली। हर महीने वह अपने खर्च और बचत का पूरा रिकॉर्ड रखती थी।

उसका फोकस इतना मजबूत था कि उसने अपने लक्ष्य को कभी नजरों से ओझल नहीं होने दिया। वह किसी भी तरह के लालच या आराम की चाहत से भटकी नहीं। उसका मानना था कि कर्ज के साथ जीना मानसिक रूप से बेहद थकाने वाला होता है। जब तक सिर पर कर्ज का बोझ रहता है, तब तक सुकून की जिंदगी जी पाना मुश्किल होता है। इसलिए उसने अपने आराम से ज्यादा मानसिक शांति और परिवार की इज्जत को प्राथमिकता दी। यही सोच उसे लगातार आगे बढ़ाती रही। आज उसकी यह कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग उसके जज्बे और अनुशासन की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की परिचयात्मक बैठक ली

नवागत कलेक्टर मिश्रा ने कहा- अधिकारी जनसेवा व सुशासन को प्राथमिकता से अपनाएं

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की परिचयात्मक बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ जिले के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने के लिए सभी अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि नागरिक सेवा को सर्वोपरि रखते हुए आमजन की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनें तथा उन्हें सरल एवं संतोषजनक तरीके से समाधान प्रदान करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विभाग में लापरवाही एवं अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ खराब व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समन्वय, सौहार्द एवं टीम भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा जताई। साथ ही कहा कि शासन की योजनाओं का सफल क्रियान्वयन और नागरिक सेवा ही हम सभी का मूल उद्देश्य होना चाहिए। सभी अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण कार्य दक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने सड़क सुरक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। यह न केवल नियमों का पालन है, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

संभाला पदभार

नवागत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर निवर्तमान कलेक्टर सोनिया मीना से विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सोमेश मिश्रा वर्ष 2013 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे मूलत: उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के निवासी हैं। नर्मदापुरम में पदस्थापना से पूर्व वे मंडला जिले में कलेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, संयुक्त कलेक्टर देवेंद्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर सरोज परिहार, नीता कोरी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेठानी घाट पर किया मां नर्मदा का पूजन: नवागत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को अपना कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व नर्मदापुरम के प्रसिद्ध सेठानी घाट पहुंचकर मां नर्मदा का विधिवत पूजन किया। उन्होंने जिले की समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। सेठानी घाट पर पहुंचने पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने सर्वप्रथम मां नर्मदा को नमन किया। इसके पश्चात वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, एसडीएम पिपरिया आकिप खान, सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

खेड़ा तालाब का 45 फीसदी कार्य पूरा, नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

इटारसी। शहर के वार्ड नंबर 9 में स्थित खेड़ा तालाब को भव्य पिकनिक स्पॉट बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। अमृत 2.0 योजना के तहत 1.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रही इस परियोजना का 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। सोमवार को नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने निर्माण स्थल का सघन निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने गुणवत्ता और समयसीमा पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए। उनके साथ पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार यादव और उपयंत्री मयंक अरोरा भी मौजूद रहे। अध्यक्ष ने कहा कि यह तालाब औद्योगिक क्षेत्र के निकट होने से स्थानीय निवासियों व श्रमिकों के लिए ऑक्सीजन जोन बनेगा।

वनरक्षक हरिकेश गुर्जर की स्मृति में शोकसभा और श्रद्धांजलि रैली

इटारसी। मुरैना के वनरक्षक स्वर्गीय हरिकेश गुर्जर का विगत दिनों निधन हो गया था। उनकी आत्मा की शांति के लिए सोमवार को वन परिक्षेत्र इटारसी के कार्यालय परिसर में शोकसभा का आयोजन किया गया।शोकसभा के बाद वनकर्मियों ने कार्यालय से ओबरब्रिज के नीचे खेड़ा इटारसी तक रैली निकाली और दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रेंजर अभिषेक शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ डिप्टी रेंजर सहित सभी वनकर्मी मौजूद थे।

पुलिस ने आईपीएल सट्टा खिला रहे चार युवकों पकड़ा, छह खातों मे मिले 5,89000 रुपए

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

शहर के नाला मोहल्ला क्षेत्र में पुलिस ने आईपीएल मैच पर चल रहे अवैध सट्टे का बड़ा खुलासा किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने अंकित अजनेरिया के मकान में दबिश देकर चार आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

बताया जा रहा है कि आरोपी आरसीबी और मुंबई के बीच चल रहे मैच पर हार-जीत का सट्टा लिख रहे थे। मामले का खुलासा सोमवार को जिले के पुलिस कप्तान(एसपी) साई कृष्ण एस थोटा नें प्रेस वार्ता कर किया है।एसडीओपी कार्यालय मे हुई प्रेसवार्ता मे एसपी साईं कृष्ण एस थोटा नें बताया कि पुलिस नें मौक़े से अंकित पिता शेर सिंह अजनेरिया, पंकज पिता शेर सिंह, रोहित पिता दीपक सक्सेना निवासी नाला मोहल्ला, दीपक पिता द्वारका प्रसाद जूनानिया निवासी मेहरागांव को आईपीएल सट्टा खिलाते हुये गिरफ्तार किया है पुलिस नें जहाँ रेड कि थी वहा वजीर आईपीएल सट्टे का संचालित हो रहा था।

जिले भर मे अवैध रूप से आईपीएल सट्टा खिलाने बालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतमय में एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा का मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व मे एक टीम का गठन किया गया.मुखबिर से सूचना के बाद कार्रवाही करने के लिये एसडीएम इटारसी से सर्च वारंट जारी करवाकर पुलिस नें नाला मोहल्ला पहुंचकर रेड की.कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 2 लैपटॉप, 25 नग अलग अलग कंपनी मोबाइलफोन,1टेबलेट, एक वाई-फाई कलेक्शन, प्रोजेक्टर, एवं एक स्कूटी गाड़ी और अलग अलग बैंकों की 6 पास बुक, 5 एटीएम कार्ड कुल मशरुका 14,22,000 रूपये जप्त किए हैं।

कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे - कादरी

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने बैठक में किया संकल्प पत्र जारी

गंजबासौदा. दोपहर मेट्रो।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ की एक महत्वपूर्ण आनलाइन बैठक का आयोजन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी की अध्यक्षता मे किया गया। बैठक में एक विस्तृत संकल्प पत्र भी साझा किया गया, जो इस बैठक की खास पहचान बनकर उभरा। इसमें छुआछूत और भेदभाव खत्म करने, हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचाने, नशा मुक्त भारत बनाने, पर्यावरण की रक्षा करने और सभी धर्मों के बीच भाईचारा मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण संकल्प शामिल थे। संकल्प पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया कि देश को दंगा, हिंसा और आतंकवाद से मुक्त रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। कादरी ने जोर देकर कहा कि जब समाज एकजुट और जागरूक रहेगा, तभी देश मजबूत बनेगा और हर चुनौती का सामना कर सकेगा। बैठक में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि अगर भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता पर समान रूप से ध्यान देना होगा। युवाओं की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा गया कि उन्हें सही दिशा और अवसर देना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

दो खिलाड़ियों का भारतीय सब-जूनियर हॉकी कैंप में चयन

नर्मदापुरम। दो खिलाड़ियों, गाजी खान और अंश बहुत्रा का सिलेक्शन हॉकी इंडिया के नेशनल कोचिंग कैंप के लिए हुआ है। भोपाल में लगने वाले इस कैंप के लिए देशभर से 40 खिलाड़ी चुने गए हैं। यह कैंप 19 अप्रैल से 25 मई तक चलेगा। इन दोनों खिलाड़ियों ने बिहार के राजगीर में हुई सब-जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में बहुत अच्छा खेल दिखाया था, जिसके दम पर इन्हें कैंप में जगह मिली है। यह ट्रेनिंग कैंप आने वाले %मेन्स यू-18 एशिया कप% की तैयारी के लिए लगाया जा रहा है। गाजी खान और अंश भोपाल के साई सेंटर में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सरदार सिंह से खेल के गुर सीखेंगे। उम्मीद है कि ये दोनों खिलाड़ी एशिया कप की फाइनल टीम में भी अपनी जगह पक्का कर लेंगे। हॉकी नर्मदापुरम के अध्यक्ष राजेंद्र तोमर और सचिव साजिद मलिक समेत पूरी टीम ने खिलाड़ियों को इस कामयाबी पर बधाई दी है और उनके अच्छे भविष्य की उम्मीद जताई है।

विश्व हिन्दू परिषद की जिला बैठक आयोजित

समय का निर्धारण कर संगठन का काम करना है जिससे का काम बढ़े : लौंगवानी

गंजबासौदा. दोपहर मेट्रो।

विश्व हिन्दू परिषद की जिला बैठक बालाजी नगर स्थित संगठन के जिला कार्यालय अशोक भवन में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ भगवान राम के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात बैठक को संबोधित करते हुए विभाग मंत्री दौलत लौंगवानी ने कहा कि विगत दिनों संपन्न हुई धर्म रक्षा निधि अभियान में गंज बासौदा जिले ने सफलतापूर्वक अपना लक्ष्य पूरा किया है जिसमें सभी प्रखंडों की सहभागिता भी रही है। आगामी कार्यक्रमों में भी पूर्ण मनोयोग से आप सभी कार्य करते रहेंगे एसी आशा है। साथ ही उन्होंने कहा कि समय का निर्धारण करते हुए संगठन का काम करना है जिससे संगठन का काम बढ़े। विभाग सह मंत्री चंद्रभान सिंह ने आगामी परिषद, बजरंग दल, दुर्गावाहिनी वर्ग की जानकारी दी एवं वर्गों के लिए कार्यकर्ताओ का चयन किया। विभाग सह मंत्री संदीप नेमा ने सभी आयामों के ग्रुप बनाने उनमें संगठनात्मक सामग्री भेजने एवं सकारात्मक विमर्श खड़ा करने की जानकारी दी। साथ ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती हर प्रखंड पर मनाने की बात कही।

बैठक में प्रांत वेद एवं संस्कृत प्रमुख मुन्ना लाल शास्त्री, जिलाध्यक्ष मुकेश सेन मंचस्थ थे। बैठक का संचालन जिला मंत्री अभिषेक शर्मा गुरूजी ने किया। इस दौरान विभाग सत्संग प्रमुख सुरेंद्र सिंह राजपूत, मातृशक्ति विभाग संयोजिका ज्योति वर्मा, जिला सह मंत्री द्वय सुरेंद्र श्रीवास्तव एवं सत्यम दुवे, बजरंग दल जिला संयोजक जगदीश शाक्य, जिला कार्यालय प्रमुख केशव सिंह हाड़ा, जिला सह संयोजक द्वय अन्न यादव एवं भजन प्रजापति, जिला गौरक्षा प्रमुख रविन्द्र ठाकुर, जिला विद्यार्थी प्रमुख लालचंद्र कुशवाहा, जिला सह विद्यार्थी प्रमुख सौमित्र तिवारी, जिला सह सुरक्षा प्रमुख अतुल ठाकुर, जिला सह सेवा प्रमुख अनिल राठौर, जिला प्रिंट मीडिया प्रमुख प्रदीप राठौर, बासौदा नगराध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, नगर मंत्री संजय सिलावट सहित सभी प्रखंडों के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पुलिस का अभियान: 'सुरक्षित ट्रैक्टर-ट्रॉली, सुरक्षित किसान' से सड़क हादसों पर लगाम

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से होने वाले सड़क हादसों को कम करने के लिए नर्मदापुरम पुलिस ने 'सुरक्षित ट्रैक्टर-ट्रॉली, सुरक्षित किसान' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत पुलिस ने 30 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के पीछे रिफ्लेक्टर रेडियम चिपकाए, ताकि रात के अंधेरे में अन्य वाहन चालकों को दूर से ही ट्रॉली दिखाई दे और दुर्घटना का खतरा टल जाए।

डोलरिया थाना प्रभारी प्रवीण चौहान के नेतृत्व में यह मुहिम तेजी से चलाई जा रही है।अभियान के दौरान गेहूं-चना खरीदी केंद्रों पर खड़ी ट्रॉलियों और हाईवे से गुजरने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का विशेष ध्यान रखा गया। पुलिसकर्मियों ने ट्रॉलियों के पिछले हिस्से पर उच्च गुणवत्ता वाले रिफ्लेक्टर रेडियम स्टीकर्स लगाए, जो सामने आते वाहनों की लाइट पड़ते ही चमक उठते हैं। इससे चालक पहले से सतर्क हो जाते हैं और टक्कर की आशंका कम हो जाती है। साथ ही, किसानों को जागरूक करने के लिए फ्लैक्स बैनर भी लगाए गए, जिनमें रेडियम लगाने के फायदे स्पष्ट रूप से बताए गए हैं। फ्लैक्स पर लिखा है- रिफ्लेक्टर रेडियम लगाओ, रात में ट्रॉली चमकाओ, सुरक्षित किसान बनो, हादसे रोकाओ। चौहान ने बताया, हमारे क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से रात के समय कई हादसे हो चुके हैं, क्योंकि अंधेरे में ये दूर से नजर नहीं आतीं। इस अभियान से 30 ट्रॉलियों पर रेडियम लगाया जा चुका है। रेडियम लगाने से ट्रॉली की दृश्यता 200-300 मीटर दूर से हो जाती है, जिससे चालक ब्रेक लगा लेते हैं।÷ उन्होंने किसानों को चेतावनी भी दी कि रेडियम न लगाने पर न केवल जुर्माना होगा, बल्कि हादसे होने पर कानूनी कार्रवाई भी होगी। चौहान ने कहा, किसानों को इसके फायदे समझाए गए हैं।

सिवनी मालवा में 16 को सीएम करेंगे जनसभा

सिवनीमालवा. दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा नगर में 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रस्तावित जनसभा की तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम को सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से सोमवार को प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने व्यापक निरीक्षण और समीक्षा बैठक की। क्षेत्रीय विधायक प्रेमशंकर वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण थोटा ने कृषि उपज मंडी, बानापुरा में सभा स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हेलीपैड के लिए चिन्हित स्थान का बारीकी से जायजा लिया और सुरक्षा तथा तकनीकी व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, यातायात नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं जैसे एंबुलेंस व फायर ब्रिगेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने, वीआईपी मूवमेंट के लिए ट्रैफिक डायवर्जन प्लान बनाने और भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त बल तैनात करने के निर्देश भी दिए गए।

एबीवीपी ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा लगाने की मांग की

इटारसी। महात्मा गांधी स्मृति कॉलेज में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा लगाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज पहुंचकर मैनेजमेंट को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने साफ कर दिया है कि अगर जल्द ही कैंपस में मूर्ति नहीं लगाई गई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। नगर मंत्री रौनक सिंह सोलंकी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद हर युवा के आदर्श हैं। कॉलेज परिसर में उनकी प्रतिमा (युवा स्तंभ) लगने से छात्रों में राष्ट्रप्रेम और बेहतर व्यक्तित्व की भावना जागेगी। परिषद का कहना है कि वे लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं, लेकिन कॉलेज प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। अभाविप पदाधिकारियों ने बताया कि स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा छात्रों के लिए एक प्रेरणा स्थल का काम करेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी इस मांग का पुरजोर समर्थन किया। कार्यकर्ताओं ने कॉलेज प्रशासन को सीधी चेतावनी दी है कि अब और इंतजार नहीं किया जाएगा; अगर प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया जल्द शुरू नहीं हुई, तो वे बड़ा प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान कुणाल सराठे, निशांत मेहरा, अनिकेत बिस्वास और आरुषि पटेल समेत कई छात्र नेता मौजूद रहे। सभी ने कॉलेज कैंपस में युवा स्तंभ बनाने की मांग उठाई।

मेट्रो एंकर

गौ माता के सम्मान में घर जाकर दे रहे पीले चावल

27 अप्रैल को निकलेगा जन जागरण मार्च

गंजबासौदा. दोपहर मेट्रो।

गौ माता को राष्टमाता का सम्मान दिलाने और उसके संरक्षण के उद्देश्य से चल रहे राष्टव्यापी अभियान ने नगर में अब जनआंदोलन का रूप लेना शुरू कर दिया है। 27 अप्रैल को प्रस्तावित गौ सम्मान पदयात्रा एवं जनजागरण मार्च को सफल बनाने के लिए गौ सेवक घर-घर पहुंचकर पीले चावल देकर नागरिकों को पारंपरिक तरीके से आमंत्रित कर रहे हैं, जिससे लोगों में भावनात्मक जुड़ाव भी बढ़ रहा है। स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में आयोजित बैठक में संतों और गौ भक्तों ने निर्णय लिया कि 27 अप्रैल तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत नगर में 15 हजार हस्ताक्षर एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही व्हाट्सएप नंबर पर मिस कॉल के माध्यम से भी लोगों की सहमति जुटाई जा रही है। निस्वार्थ गौ सेवा समिति के संचालक लाल महाराज ने बताया कि गौ सेवकों की टीमें अलग-अलग वार्डों और मोहल्लों में पहुंचकर लोगों को अभियान की जानकारी दे रही हैं। दीवारों पर पोस्टर चस्पा कर जनजागरण किया जा रहा है तथा नागरिकों से 27 अप्रैल को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की जा रही है। आयोजन से जुड़े कार्यकर्ताओं के अनुसार यह केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि गौ संरक्षण और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास है। इसी उद्देश्य से समाज के सभी वर्गों को जोड़ने के लिए व्यक्तिगत संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। नगर में चल रहे इस जनसंपर्क अभियान को सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। नागरिक न केवल आमंत्रण स्वीकार कर रहे हैं, बल्कि स्वयं भी इस अभियान से जुड़ने की इच्छा जता रहे हैं। आयोजकों को उम्मीद है कि 27 अप्रैल का यह मार्च जनसैलाब का रूप लेकर गौ सम्मान का संदेश पूरे क्षेत्र में प्रभावी ढंग से प्रसारित करेगा।

सिंहस्थ मेले में पार्किंग और घाट मार्ग को सुगम बनाएं, संभागायुक्त ने दिए निर्देश

उज्जैन. दोपहर मेट्रो।

उज्जैन के सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 के दौरान बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन पार्किंग के लिए प्रस्तावित स्थानों का निरीक्षण किया। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि पार्किंग स्थल से घाट तक आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पहुंच मार्ग सुगम रखें जाएं। श्रद्धालुओं को शिप्रा घाट तक पहुंचने में कोई परेशानी नही हो। प्रमुख स्नान के दिनों के लिए वैकल्पिक पार्किंग का प्लान भी रखें, जिससे अधिक वाहनों के आने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था रहे। सिंहस्थ महापर्व 2028 को भव्य रूप दिया जा रहा है। करोड़ों श्रद्धालुओं को सहज, सुगम यातायात सुविधा के लिए बेहतर इंतजाम के लिए प्रशासन की टीम कार्य कर रही है। संभागायुक्त और कलेक्टर ने नियमित निरीक्षण के दौरान सिंहस्थ की तैयारियों के अंतर्गत इंदौर-देवास की ओर से आने वाले वाहनों के लिए प्रशासन द्वारा प्रस्तावित पार्किंग स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्राम गंगेडी, धरमबड़ला, सिकंदरी, दाऊदखेड़ी, हाटकेश्वर एवं गोठड़ा क्षेत्रों का दौरा कर वहां विकसित किए जाने वाले पार्किंग प्रबंधन का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने पार्किंग स्थलों से श्रद्धालुओं के शिप्रा नदी घाट क्षेत्रों तक सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवागमन के लिए संभावित मार्गों एवं व्यवस्थाओं का भी परीक्षण किया।

1.75 करोड़ के घोटाले को लेकर सपा ने सीएम को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। जबलपुर के स्वास्थ्य विभाग में 1.75 करोड़ रुपए के कथित घोटाले का मामला सामने आया है। समाजवादी पार्टी के आशीष मिश्रा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। आरोप है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्यारू) की राशि का भुगतान नियमों का उल्लंघन करते हुए किया गया। इस घोटाले में पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरूाह्र) डॉ. संजय मिश्रा और जिला कार्यक्रम प्रबंधक आदित्य तिवारी पर राशि के गबन का आरोप है। ज्ञापन सौंपते समय एडवोकेट दीपांशु साहू, शैलेंद्र सिंह, सीता कुशवाहा सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वनकर्मी की हत्या के खिलाफ वन कर्मचारियों ने निकाली कैंडल रैली

बालाघाट। बालाघाट में वनकर्मी हरिकेश गुर्जर की हत्या के खिलाफ वन कर्मचारियों ने कैंडल रैली निकालकर आक्रोश व्यक्त किया। वन और वन्यप्राणी कर्मचारी संघ के बैनर तले जुटे कर्मचारियों ने रैली निकालने से पहले हरिकेश गुर्जर को श्रद्धांजलि दी। जिले भर से आए सैकड़ों वनकर्मी आंबेडकर चौक पर इकट्ठा हुए। वहां से कैंडल रैली शुरू होकर काली पुतली चौक, मेनरोड और सर्किट हाउस होते हुए निकली। रैली में शामिल कर्मचारी हरिकेश गुर्जर को शहीद का दर्जा देने और उनके हत्यारों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे।

सनसनीखेज खुलासा

टेस्ट ड्राइव के बहाने लूटा वाहन

विरोध करने पर कर्मचारी की गोली मारकर की थी हत्या

धार। डही में हुई सनसनीखेज लूट और हत्या के मामले में पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। कुक्षी रोड स्थित एक ऑटो डील शोरूम से टेस्ट ड्राइव के बहाने बोलेरो लूटने और शोरूम कर्मचारी की निर्मम हत्या करने वाले मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। पकड़े गए आरोपियों में दो बाल अपचारी भी शामिल हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी मयंक अवस्थी के निर्देशन में चार विशेष टीमें गठित की गई थीं। जांच के दौरान लूटी गई बोलेरो ग्राम सुसारी के पास पलटी हुई मिली। पुलिस ने जब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो एक संदिग्ध की पहचान सुनील निवासी आम्बी जिला अलीराजपुर के रूप में हुई।

क्या था मामला

11 अप्रैल को डही के ए-वन ऑटो डील शोरूम पर तीन अज्ञात युवक पहुंचे थे। आरोपियों ने बोलेरो वाहन एमपी 04 टीटी 3572 खरीदने की इच्छा जताई और टेस्ट ड्राइव के बहाने शोरूम के कर्मचारी साहिल को साथ लेकर वाहन सहित फरार हो गए। फरियादी मोहम्मद हारुन खत्री की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल अपहरण और लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

विरोध करने पर मार दी थी गोली

आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पहले ही लूट की योजना बना ली थी। जब कर्मचारी साहिल ने रास्ते में लूट का विरोध किया, तो आरोपियों ने उसे गोली मार दी और साक्ष्य छुपाने शव को सुसारी से पहले कच्चे रास्ते से सुनसान जगह पर झाड़ियों में ले जाकर छिपा दिया। बाद वहाँ से वाहन लेकर भागने के दौरान वाहन सुसारी के पास अनियंत्रित होकर पलट गया था।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जयसूर्या पर महिला से मारपीट, प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी के आरोप, भाजपा मंडल अध्यक्ष बोली...

धमकियों के डर से दो सालों तक दूसरे शहरों में भटके, प्रभाव के कारण पुलिस भी नहीं कर रही मदद

गांव वापस लौटने पर लगातार मिलती धमकियां

धार। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर तहसील के लाबरिया-राजोद क्षेत्र की भाजपा मंडल अध्यक्ष आशा शर्मा ने अपनी ही पार्टी के नवनियुक्त भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष जयसूर्या व उनके साथियों पर मारपीट, प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। सोमवार को महिला अपने पति के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और एसपी के नाम एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरुकर को एक आवेदन सौंपा।

भैया अब प्रदेश के नेता बन गए, यहां रहकर दिखाओं

एसपी को सौंपे गए आवेदन में आशा शर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जयसूर्या और उनके परिजन अपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके खिलाफ थानों में कई प्रकरण दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों के राजनीतिक रसूख के चलते राजोद थाना पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे उनके हौसले बुलंद हैं।

हाल ही में जब वे गांव वापस लौटीं, तो उन्हें दोबारा धमकाया गया कि भैया अब प्रदेश के नेता बन गए हैं, अब यहां रहकर दिखाओ। महिला ने बताया कि जय सुर्या और उसका अंकल सुनिल सुर्या एवं दीपक फेमस अपराधिक प्रवृत्ति के लोग है, इनके खिलाफ बदनावर सहित कई थानों में प्रकरण पंजीबद्ध है, यह लिस्टेड गुंडे है। सुनिल सुर्या रतलाम जिले का हिस्ट्रीशीटर है।

दो सालों तक दूसरे शहरों में भटके दंपत्ति

पीड़िता आशा शर्मा ने आवेदन में बताया कि विवाद की शुरुआत जून 2024 में एक सोशल मीडिया पोस्ट से हुई थी। 6 जून 2024 को जयसूर्या और उनके साथियों ने उनके घर पहुंचकर गाली-गलौज और मारपीट की थी। इसके बाद अज्ञात नंबरों से फोन पर घर जलाने और गांव छोड़ने की धमकियां दी गई। पीड़िता का कहना है कि इन प्रभावशाली नेताओं के खौफ के कारण उन्हें और उनके पति को अपना गांव छोड़कर दो सालों तक दूसरे शहरों में आजीविका के लिए भटकना पड़ा।

एसपी कार्यालय के बाहर देंगी धरना

आशा शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया और उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान नहीं की गई, तो वे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने धरने पर बैठने को मजबूर होंगी। उन्होंने अपनी और अपने पति की जान को गंभीर खतरा बताया है। कोई महिला कार्यालय आई थी और आवेदन देकर गई है। हम उस आवेदन का अध्ययन कर रहे हैं कि मामला क्या है। जहां तक जयसूर्या पर लगे आरोपों का सवाल है, मुझे नहीं लगता कि भाजपा का कोई कार्यकर्ता ऐसा काम करता है। फिर भी यदि कोई गलतफहमी है तो उसे दूर किया जाएगा और मामले को दिखवाया जाएगा -

महंत निलेश भारती,
जिला अध्यक्ष, भाजपा धार

अभिनेता मिलिंद और क्रिकेटर नितीश महाकाल के दरबार में पहुंचे

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार सुबह भस्म आरती के दौरान फिल्म अभिनेता मिलिंद सोमन और क्रिकेटर नितीश राणा ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। दोनों सुबह 4 बजे होने वाली भस्म आरती में शामिल हुए और बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।

छिंदवाड़ा में रुई से भरे ट्रक में लगी आग, बड़ा हादसा टला

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा के छोटा तालाब के समीप स्थित हुसैन ग्राउंड के सामने एक गोदाम के बाहर खड़े ट्रक में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। ट्रक गद्दे बनाने में उपयोग होने वाली रुई से भरा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक खाली करने के दौरान अचानक उसमें से धुआं उठने लगा, जिसे देख मौके पर भगदड़ की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समय रहते आग पर नियंत्रण पाने से एक बड़ा हादसा टल गया।

मंत्री लोधी ने किए लाखों रुपए के भूमिपूजन एवं लोकार्पण

विशाल रजक, तेंदूखेड़ा। सोमवार को ब्लॉक के ग्राम सांगा में 65 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवनिर्मित उप-स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण एवं दोनी में 25 लाख रुपये की लागत से निर्माण होने वाले सामुदायिक भवन का मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने भूमिपूजन किया मंत्री ने कहां कि यह केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है।अब तक इस क्षेत्र के ग्रामीणों को छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए दूर स्थित तेंदूखेड़ा या दमोह जाना पड़ता था। इससे न केवल समय की हानि होती थी, बल्कि आर्थिक रूप से भी लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। कई बार समय पर उपचार न मिलने के कारण मरीजों को गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था। इस नवीन उप-स्वास्थ्य केन्द्र के शुरू होने से अब ग्राम सांगा और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध होंगी। सामुदायिक भवन से ग्रामवासियों को सामाजिक कार्यों के लिए सुविधा प्राप्त होगी कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी डॉ परम सिंह लोधी सरपंच नितिन जैन नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन उपाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद नामदेव विधायक प्रतिनिधि सोमनाथ सोनी विधायक प्रतिनिधि राजीव जैन युवा नेता राजकुमार सिंह ठेकेदार दीपक नायक सैलवाड़ा सरपंच नीतू साहू सहित बड़ी संख्या में अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही।

500 रुपये में माँ नर्मदा दर्शन

पाटन के युवाओं की अनोखी पहल गरीबों को निशुल्क यात्रा

जबलपुर (पाटन)। जबलपुर जिले के पाटन तहसील के युवाओं द्वारा समाज सेवा की एक सराहनीय पहल की जा रही है। 'माँ रेवा पथ ग्रुप' के संचालक रवि ठाकुर के नेतृत्व में यह समूह लोगों को माँ नर्मदा नदी के दर्शन कराने का कार्य कर रहा है।

यह समूह मात्र 500 रुपये में बस द्वारा श्रद्धालुओं को यात्रा कराता है, जिसमें आने-जाने के साथ भोजन और पेयजल की भी व्यवस्था की जाती है। विशेष बात यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं असहाय लोगों को यह सेवा पूरी तरह निशुल्क दी जाती है। संचालक रवि ठाकुर का कहना है कि उनका उद्देश्य हर वर्ग के लोगों को माँ नर्मदा के दर्शन का अवसर प्रदान करना है। इस पहल को क्षेत्र में लोगों द्वारा खूब सराहा जा रहा है और लगातार इसमें लोगों की भागीदारी बढ़ रही है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यह पहल समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा दे रही है तथा अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बैतूल

पुराना कलेक्ट्रेट परिसर बैतूल Email-eeresbetul@mp.gov.in

क्रमांक 487/वलेलि /ग्रायांसे/2026 बैतूल, दिनांक 09.04.26

नीलामी सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग बैतूल जिला बैतूल का जीर्ण-शीर्ण भवन जहाँ है, जैसी है कि स्थिति में दिनाक 21.04.2026 दिन मंगलवार अपरान्ह 03:00 बजे स्थान कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग बैतूल जनपद पंचायत बैतूल के समीप मे नीलामी आयोजित की गई है। जीर्ण-शीर्ण भवन का विवरण नीचे दर्शित है।

इच्छुक बोलीकर्ता उक्त तिथि कि अपरान्ह 1:30 बजे तक अमानति राशि जमा की जाकर निर्धारित समय पर उपस्थित होकर नीलामी में बोली लगाकर भाग ले सकते है। नीलमी योग्य सामग्री से संबंधित जानकारी एवं शर्ते प्राप्त करने हेतू कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बैतूल से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्राप्त कि जा सकती है। इस बाबत जानकरी हेतू अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग बैतूल के मोबाईल नं 7828417116 पर संपर्क किया जा सकता है।

क्र.	नीलाम की जाने वाली संपत्ति का विवरण	आफसेट प्राईज	अमानत राशि
1	अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग बैतूल जिला बैतूल	29617	2962

G-11468/26

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग बैतूल

मेट्रो एंकर | घोटाले के आरोपों ने उठाए प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल, देवरी लीलाधर का मामला

आंगनबाड़ी भर्ती मामला बना विवाद का केंद्र, जिस पर आरोप उसी को जांच?

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत के अंतर्गत देवरी लीलाधर आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 43 में सहायिका भर्ती प्रक्रिया को लेकर विवाद सामने आया है। आवेदिका रचना गौड़ ने भर्ती प्रक्रिया में फर्जी दस्तावेजों के उपयोग, पक्षपातपूर्ण रवैये तथा रिश्वत मांगने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग की है।

रचना गौड़ का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसके बाद मामला जिला कार्यक्रम अधिकारी को जांच हेतु सौंपा गया। उनका आरोप है कि जिस अधिकारी पर स्वयं आरोप लगाए गए थे, उसी को जांच का दायित्व सौंप दिया गया, जो निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जांच के दौरान उन्हें डराया-धमकाया गया और उन पर दबाव बनाकर जबरन बयान दिलवाया गया।

क्या बोले एसडीएम

एसडीएम सी जी गोस्वामी ने कहा कि जिस पर आरोप होता है वह जांच नहीं कर सकता है परियोजना अधिकारी जांच नहीं कर सकती हैं और उनसे जांच करने किसने आदेश दिया है जांच को लेकर यदि रचना गौड मेरे पास आवेदन देती है तो मैं जांच करवाता हूं संबंधित के बयान लेकर हम कार्रवाई करते हैं।

वहीं, तेंदूखेड़ा परियोजना अधिकारी ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर उन्होंने पूरी निष्पक्षता के साथ जांच की है। अब दोनों अधिकारी एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं उनके अनुसार, जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने स्वयं स्वीकार किया कि उसने बहकावे और भय के कारण शिकायत दर्ज कराई थी तथा किसी भी प्रकार की रिश्वत की मांग नहीं की गई थी। परियोजना अधिकारी ने यह भी दावा किया कि उनके पास जांच संबंधी लिखित आदेश उपलब्ध हैं। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है कि जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा जांच उसी अधिकारी को सौंपे जाने पर प्रश्न उठ रहे हैं, जिस पर आरोप लगाए गए थे। जब इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी से संपर्क किया गया, तो उन्होंने स्पष्ट जानकारी होने से इनकार करते हुए कहा कि वे वर्तमान में भोपाल में हैं और पूरे मामले की पुनः जांच करेंगे।

प्रभारी परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास पूजा गौड़ का कहना है कि उन्हें जांच जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा दी गई है डीपीओ सर ने पत्र लिखकर जांच प्रतिवेदन मांगा था जिसके तहत में शनिवार को देवरी लीलाधर पहुंची और पंचनामा एवं बयान दर्ज किए थे क्योंकि आरोप मेरे ऊपर भी लगे हैं।
*-**पूजा गौड़**, प्रभारी परियोजना अधिकारी, महिला बाल विकास*

जिला कार्यक्रम अधिकारी जयंत वर्मा का कहना है कि मेरे द्वारा किसी प्रकार की इस संबंध में कोई जांच नहीं दी गई है फाइल मंगवाकर जांच हम करेंगे परियोजना अधिकारी जांच के लिए जाही नहीं सकती क्योंकि जो आरोपी है वह स्वयँ जाँच नहीं कर सकता मुझे याद थोड़ी ना रहता है की किस फाइल में क्या लिखा है।
*- **जयंत वर्मा**, जिला कार्यक्रम अधिकारी*

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2, भोपाल

निविदा सूचना 01 वर्ष 2025-26 भोपाल, दिनांक. 08/04/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर कमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में)
1	2	3.	4	5
1	2026_PWDRB_498717_1	जेल उपसंभाग क्रमांक-1 के अनुभाग क्रमांक-7 के अन्तर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्त कार्य।	प्रथम	40.00
2	2026_PWDRB_498719_1	जेल उपसंभाग क्रमांक-1 के अनुभाग क्रमांक-7 के अन्तर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में फिनिंशिंग/पेंटिंग कार्य।	प्रथम	25.00
3	2026_PWDRB_498720_1	जेल उपसंभाग क्रमांक-1 के डी.आर.पी. लाईन अनुभाग नेहरू नगर के अन्तर्गत आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्त कार्य।	प्रथम	40.00
4	2026_PWDRB_498721_1	जेल उपसंभाग क्रमांक-1 के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर कानून व्यवस्था हेतु बेरिकेटिंग का कार्य।	प्रथम	40.00
5	2026_PWDRB_498722_1	जेल उपसंभाग क्रमांक-1 के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पुल-पुलियों का वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्त कार्य।	प्रथम	50.00
6	2026_PWDRB_498723_1	जेल उपसंभाग क्रमांक-1 के अनुभाग क्रमांक-6 पी.जी.बी.टी. के अन्तर्गत आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्त कार्य।	प्रथम	25.00
7	2026_PWDRB_498726_1	पश्चिम उपसंभाग के अंतर्गत पुराना सचिवालय स्थित लोकायुक्त कार्यालय में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत लघुमूल गौण कार्य।	प्रथम	99.93
8	2026_PWDRB_498727_1	सर्वे उपसंभाग के अनुभाग क्रमांक-4 के अंतर्गत आवास क्रमांक एफ-8/16, एफ-5/17, ई-7/21 में लघुमूल गौण कार्य।	प्रथम	28.90
9	2026_PWDRB_498728_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2, के आवासों बी, सी,डी एवं ई टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं जल-अवरोधक का कार्य।	द्वितीय	40.00

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि **28/04/2026** जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमाक 2 भोपाल

G-11477/26

फीफा विश्वकप 2026: बल्ला नहीं बुलडोजर लेकर चल रहे वैभव सूर्यवंशी...

आईपीएल में 19 गेंदबाज सामने आए, सिर्फ 4 ही रोक पाए

नई दिल्ली , एजेंसी

चार मैच, चार जीत और हर विभाग में दबदबा... राजस्थान रॉयल्स इस वक्त आईपीएल की सबसे संतुलित और खतरनाक टीम बनकर उभरी है। सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उसकी नजरें सिर्फ जीत पर नहीं, बल्कि टॉप पर अपनी पकड़ और मजबूत करने पर होंगी। इस शानदार शुरुआत के पीछे सबसे बड़ी कहानी रही है यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी, जिसने पावरप्ले को विरोधियों के लिए डर का समय बना दिया है और खासकर सूर्यवंशी की निडर बल्लेबाजी ने उन्हें इस सीजन का सबसे खतरनाक चेहरा बना दिया है।

भारतीय क्रिकेट की कहानियों में अक्सर संघर्ष, समय और धैर्य की बात होती है।.. लेकिन वैभव सूर्यंशी की कहानी इस परंपरा को तोड़ती नजर आती है। यहां न लंबा इंतजार है, न धीरे-धीरे सीखने का दौर, यहां शुरुआत ही विस्फोट से हुई है।

अब तक आईपीएल करियर में सिर्फ 197 गेंदों में 452 रन और 229.44 का स्ट्राइक रेटज यह आंकड़े किसी स्थापित इंटरनेशनल स्टार के लग सकते हैं, लेकिन जब यह पता चलता है कि यह सब एक 15 साल के खिलाड़ी ने किया है, तो बात आंकड़ों से आगे बढ़कर चौंकाने वाली हो जाती है। यह सिर्फ रन बनाने की कहानी नहीं है, यह टी20 क्रिकेट के बदलते स्वभाव की कहानी है।

बड़े गेंदबाज, एक ही अंजाम- सूर्यवंशी के प्रदर्शन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने रन किनके खिलाफ बनाए हैं। जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड, मैट हेनरी, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और मार्को जानसेन जैसे गेंदबाज, जिनके सामने बड़े-बड़े बल्लेबाज संभलकर खेलते हैं...वहीं सूर्यवंशी ने इन्हें आक्रामकता से ध्वस्त किया है। करीम जनत के खिलाफ 6 गेंदों में 30 रन, ईशांत शर्मा पर 7 गेंदों में 27 रन, नूर अहमद के खिलाफ 12 गेंदों में 38 रन, जसप्रीत बुमराह की 5 गेंदों में 13 रन... ये आंकड़े सिर्फ रन नहीं, एक मानसिक बढ़त की कहानी हैं। यहां बल्लेबाज गेंदबाज पर हावी है और वह भी शुरुआत से ही।

आईपीएल में सूर्यवंशी बनाम गेंदबाज

गेंदबाज	रन/गेंदें	बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट
करीम जनत	30/6	500.0
ईशांत शर्मा	27/7	385.7
नूर अहमद	38/12	316.7
मैट हेनरी	19/6	316.7
अभिनंदन सिंह	15/5	300.0
रवींद्र जडेजा	14/5	280.0
शार्दुल ठाकुर	25/9	277.8
अर्शदीप सिंह	16/6	266.7
मार्को जानसेन	16/6	266.7
जसप्रीत बुमराह	13/5	260.0

*न्यूनतम 5 गेंदें, स्ट्राइक रेट 250+

जिनके सामने ठहरे, वे भी खास

हर आक्रामक बल्लेबाज के सामने कुछ गेंदबाज ऐसे होते हैं, जो उसकी रफ्तार पर ब्रेक लगा सकते हैं। सूर्यवंशी के मामले में यह सूची बेहद छोटी है। दरअसल, आईपीएल में अब तक जिन 19 गेंदबाजों ने उन्हें कम से कम पांच गेंदें फेंकी हैं, उनमें से सिर्फ चार ही ऐसे रहे हैं जो वैभव सूर्यलंशी को 150 से नीचे के स्ट्राइक रेट पर रोक सके हैं- रविचंद्रन अश्विन (8 गेंदों में 5), प्रसिद्ध कृष्णा (8 गेंदों में 8) , कगिसो रबाडा (8 गेंदों में 10) और राशिद खान (10 गेंदों 13)।

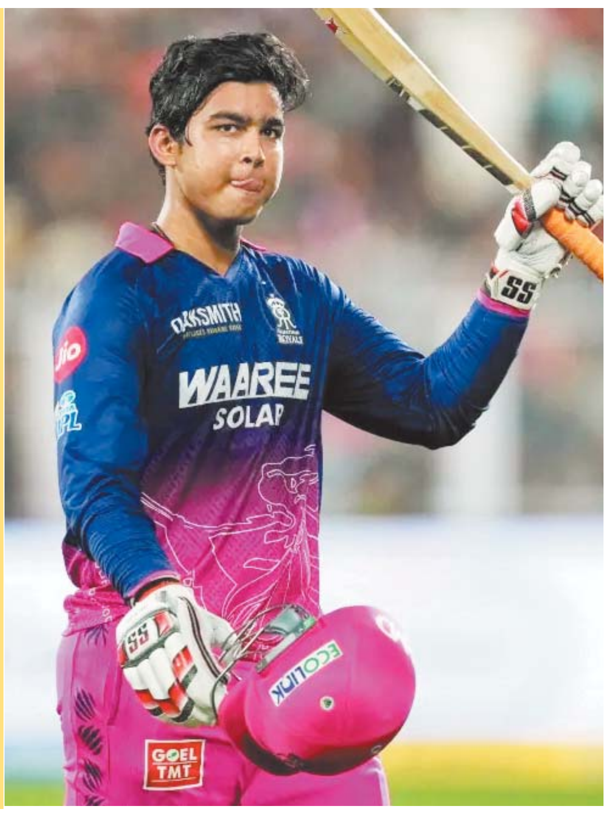

दिग्गज गेंदबाजों के खिलाफ 133 गेंदों में बनाए 315 रन

अगर सूर्यवंशी के आंकड़ों को गहराई से देखें, तो यह सिर्फ एक 'हॉट स्ट्रीक' नहीं लगती। 20 या उससे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले गेंदबाजों के खिलाफ उन्होंने 133 गेंदों में 315 रन बनाए हैं, 236.84 के स्ट्राइक रेट और 52.50 की औसत के साथ। यह वह स्तर है, जहां ज्यादातर युवा खिलाड़ी संघर्ष करते हैं। लेकिन सूर्यवंशी ने इसे अपना 'कम्फर्ट जोन' बना लिया है। अनकैप्ड बल्लेबाजों की तुलना में भी वह काफी आगे हैं। प्रियांश आर्य और आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ियों के अच्छे आंकड़े हैं, लेकिन सूर्यवंशी का स्ट्राइक रेट उनसे बहुत आगे है। यह अंतर बताता है कि वह सिर्फ बेहतर नहीं, बल्कि अलग स्तर पर खेल रहे हैं।

माइंडसेट: यही है असली गेम-चेंजर

क्रिकेट में टैलेंट बहुतों के पास होता है, लेकिन माइंडसेट कुछ ही खिलाड़ियों को खास बनाता है। सूर्यवंशी का सबसे बड़ा हथियार उनका निडर एप्रोच है। वह गेंदबाज का नाम नहीं देखते, गेंद देखते हैं और उस पर अटैक करते हैं। ईशान किशन, देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर जैसे खिलाड़ी अपने शुरुआती दिनों में बड़े गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते नजर आए थे। लेकिन सूर्यवंशी ने उस 'एडजस्टमेंट फेज' को जैसे पार ही कर लिया है। आगे क्या?

लिखकर रखा था, 4 विकेट लूंगा

प्रफुल हिंगे ने जो सोचा वो किया, वैभव पहली बार 'गोल्डन डक' का शिकार

हैदराबाद , एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद के सनसनीखेज युवा तेज गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल डेब्यू को यादगार बनाते हुए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इतिहास रच दिया। हिंगे ने मैच के बाद खुलासा किया कि उन्होंने पहले ही लिख लिया था कि वह डेब्यू में 4-5 विकेट ले सकते हैं, और उन्होंने इसे सच भी कर दिखाया।

विदर्भके इस पेसर ने नई गेंद से ऐसा कहर बरपाया कि 217 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही ऋऋकी टीम शुरुआत में ही बिखर गई। हिंगे ने अपने पहले ही स्पेल में 2 ओवर में सिर्फ 6 रन देकर 4 विकेट झटके। उनके शुरुआती ओवरों में किए गए हमले ने आरआर को 9/5 की हालत में पहुंचा दिया।

हिंगे ने बताया- मैंने कहीं लिख रखा था कि डेब्यू में 4-5 विकेट लूंगा। मैंने पावरप्ले में हावी होने का सोचा था। मैं मैनिफेस्टेशन में विश्वास करता हूं।उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि वैभव सूर्यवंशी

को बाउंसर पर आउट करेंगे। मैंने लोगों से कहा था कि मैं उसे बाउंसर डालकर आउट करूंगा। वरुण भाई (वरुण आरोन) ने प्लान बनाने में मदद की।

13 साल की उम्र से क्रिकेट शुरू करने वाले हिंगे ने इस प्रदर्शन को अपने परिवार को समर्पित किया।हिंगे ने कहा-13 साल की उम्र में मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया। मुझे नहीं पता था कि लेदर बॉल क्रिकेट क्या होता है? मैंने अपने पिता से एक क्लब जॉइन करने के लिए कहा। लेकिन उन्होंने कहा कि मैं बहुत छोटा हूं, फिर वे मुझे वहां ले गए, और मैं उसके बाद भी खेलता रहा।0 मैं यह अवॉर्ड अपने परिवार को डेडिकेट करना चाहता हूं।

हर खिलाड़ी ऐसा ही डेब्यू चाहता है: साकिब हुसैन

दूसरी ओर, एक और डेब्यूटेंट साकिब हुसैन ने भी 4/24 के आंकड़े के साथ शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा- हर खिलाड़ी ऐसा डेब्यू चाहता है। कोच वरुण आरोन के साथ पिछले चार साल से काम कर रहा हूं, इसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है। एसआरएच के कप्तान ईशान किशन ने टीम के युवा गेंदबाज़ों की भूख और मेहनत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने पूरे सीजन में कड़ी मेहनत की और प्रैक्टिस मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिसका फायदा टीम को मिला। किशन ने विकेटकीपिंग करते हुए कम्युनिकेशन में आई दिक्कतों का भी जिक्र किया और कहा कि कप्तान के तौर पर गेंदबाज़ों से सीधे बातचीत करना ज्यादा बेहतर रहता है।राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियाल पराग ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि उन्होंने इन गेंदबाजों को ज्यादा नहीं देखा था।

कहां चूक कर रही शाहरुख खान की केकेआर?

38 करोड़ रुपए का दांव धड़ाम! गेंदबाजी बेदम, ना कैमरन ग्रीन चले, ना रिंकू सिंह

कोलकाता, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स लगातार संघर्ष करती नजर आ रही है। शाहरुख खान की सह-मालिकाना हक वाली कोलकाता नाइट राइडर्स 2012, 2014 और 2024 में आईपीएल चैम्पियन बनी थी। लेकिन 2026 सीजन में टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है।

नए कोच अभिषेक नायर और कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में टीम का ग्राफ लगातार गिर रहा है। मौजूदा सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक चार मुकाबलों में एक भी जीत दर्ज नहीं की है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने तीन मुकाबले गंवाए हैं, जबकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द होने से उसे

कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन में ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को 25।20 करोड़ रुपये में खरीदा, लेकिन उनका प्रदर्शन उम्मीदों के पूरी तरह विपरीत रहा है। उप-कप्तान रिंकू सिंह भी पूरे तरह फ्लॉप रहे हैं, जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। यानी तीन बार की आईपीएल चैम्पियन टीम ने जो 38।20 करोड़ रुपये का दांव चला, वो बेकार गया है।

मिस्ट्री स्पिनर भी इंजर्ड

मिडिल ऑर्डर में रिंकू सिंह, कैमरन ग्रीन और अनुकूल रॉय बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाए। इसी वजह से कोलकाता नाइट राइडर्स बड़े स्कोर बनाने या मैच फिनिश करने में संघर्ष कर रही है। सीजन की शुरुआत में मजबूत मानी जा रही गेंदबाजी यूनिट भी असर छोड़ने में नाकाम रही है। मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दो मैच खेलने के बाद चोटिल हो गए हैं। सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा और कार्तिक त्यागी भी आउट ऑफ टच दिखे हैं। आकाश दीप और हर्षित राणा तो इस पूरे सीजन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। टीम डेथ ओवर्स में रन रोकने में लगातार फेल रही है। लखनऊ सुपर जायंट्स (रुस्न) के खिलाफ मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने मजबूत स्थिति के बावजूद आखिरी गेंद पर हार झेली, जिसने टीम की कमजोरी को उजागर कर दिया। लगातार खराब प्रदर्शन के चलते कोलकाता नाइट राइडर्स पॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर आ चुकी है। टूर्नामेंट जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए वापसी करना मुश्किल होता जा रहा है। कोलकाता नाइट राइडर्स के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती है- टीम कॉम्बिनेशन सही करना और खिलाड़ियों की भूमिका स्पष्ट करना। अगर जल्द सुधार नहीं हुआ, तो यह सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए पूरी तरह निराशाजनक साबित हो सकता है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट,

पाप के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है पाप... इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया।

दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म पाप की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है। तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें

स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दर्शाती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है।

पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, 2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है।

पूजा की पहली फिल्म थी पॉप

बता दें कि पाप पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थे, जबकि दिग्गज अभिनेता मोहन अगाशे ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग स्पीति की खूबसूरत वादियों में हुई थी। अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह काया नाम की एक बौद्ध लड़की (उदिता गोस्वामी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे भविष्य में आध्यात्मिक गुरु बनने के लिए तैयार किया जा रहा होता है। उसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उसकी मुलाकात पुलिस इंस्पेक्टर शिवेन से होती है, जिसका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म में धर्म, इच्छाएं, आत्मसंघर्ष और मोक्ष जैसे गहरे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है।

खुशी तिवारी के साथ पवन सिंह का रोमांस सड़िया ए जान गाने में दिखी शानदार केमिस्ट्री

भोजपुरी सिंगर और भाजपा से जुड़े पवन सिंह किसी न किसी वजह से हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में अंजली राघव के साथ बदसलूकी मामले में उनका नाम सामने आया था, जहां सिंगर के माफी मांगने के बाद अभिनेत्री ने उन्हें माफ कर दिया था, लेकिन अब वे अपने नए गाने की वजह से सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इसमें अभिनेत्री खुशी तिवारी के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस करते दिख रहे हैं। पवन सिंह का नया गाना सड़िया ए जान रिलीज हो चुका है। गाने में खुशी तिवारी खुद को संवारने के लिए पवन सिंह से नई-नई साड़ियों की डिमांड कर रही हैं, जबकि पवन सिंह भी उनके साड़ी लुक पर फिदा हैं।

अभिनेता का कहना है कि वे काली साड़ी पहनकर बहुत कमाल लगती हैं। गाने में खुशी तिवारी और पवन सिंह का रोमांस भी दिखाया गया है और पर्दे पर दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री भी गाने की तरह खिल रही है। गाने को पवन सिंह ने सिंगर खुशी कक्कड़ के साथ मिलकर गाया है जबकि गाने के लिरिक्स आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं और संगीत निर्देशक प्रियांशु सिंह हैं। गाने का म्यूजिक भी वाइब देने वाला है, जिससे सुनने के बाद आपका भी मन डांस करने के

लिए करेगा। लेटेस्ट गाने को सोमवार सुबह ही रिलीज किया गया है और खबर लिखे जाने तक गाना 40 हजार के पार हो चुका है। इससे पहले साउथ की पैन-इंडिया फिल्म डकैत-एक प्रेम कथा में भी पवन सिंह का स्पेशल गाना और अपीरियंस रखी गई थी। फिल्म में उनका गाना टच बेबी को फिल्माया गया, जिसमें वे अदिवि शेष के साथ पर्दे पर धमाल मचाते हुए दिखे थे। यह साउथ सिनेमा में पवन सिंह का डेब्यू था, जिसे फैंस की तरफ से बहुत सारा प्यार भी मिला।

मेट्रो बाजार

एयर इंडिया कर्मचारियों के लिए शुरू करेगा स्टॉक ऑप्शन रिवॉर्ड सिस्टम

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया अपने कर्मचारियों के लिए परफॉर्मेंस लिंक्ड स्टॉक ऑप्शन रिवॉर्ड सिस्टम शुरू करने की योजना बना रहा है। टाटा ग्रुप की ओर से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब वह एयर इंडिया को नुकसान से निकालने की कोशिशें कर रहा है। सोमवार को लाइवमिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पायलटों, इंजीनियरों और वरिष्ठ प्रबंधन सहित पात्र कर्मचारियों को स्टॉक ऑप्शन जारी होने के बाद 4 रुपए के अंकित मूल्य और जारी होने के समय के बाजार मूल्य के बीच शेयरों की खरीद करने की अनुमति होगी। 13 फरवरी को हुई एक असाधारण आम बैठक में अनुमोदित इस योजना का उद्देश्य कर्मचारियों को प्रेरित करना और उनके प्रदर्शन को कंपनी के विकास एजेंडा के अनुरूप बनाना है। साथ ही, एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में प्रतिभा को पुरस्कृत करना और आकर्षित करना है। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया,÷पीएसओपी (परफॉर्मेंस स्टॉक ऑप्शन प्लान) 2026 का उद्देश्य एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के वर्तमान या भावी पात्र कर्मचारियों को उनके प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत करना और उन्हें कंपनी की वृद्धि और मुनाफे में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, इस योजना का उद्देश्य संगठन में प्रतिभा को आकर्षित करना, बनाए रखना और पुरस्कृत करना है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एयरलाइन 6 अप्रैल को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय को दी गई जानकारी के अनुसार, पात्र कर्मचारियों के लिए लगभग 227.1 मिलियन स्टॉक ऑप्शन जारी करेगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत ग्रोथ फेज में, बाजार दे सकते हैं बेहतर रिटर्न : रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट में सोमवार को कहा गया कि भारत की अर्थव्यवस्था इस समय संरचनात्मक रूप से मजबूत और विस्तारवादी दौर में है, और अनुकूल वैल्यूएशन के चलते बाजार लंबी अवधि के औसत से बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। निवेश प्रबंधन कंपनी ओमनीसाइंस कैपिटल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय गोल्डीलॉक्स फेज में है, जहां वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की वृद्धि दर 7-8 प्रतिशत के आसपास है और महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तय दायरे में बनी हुई है। सितंबर 2024 के उच्च स्तर से बाजार में करीब 13 प्रतिशत की हालिया गिरावट को सामान्य बताया गया है और इसे बेयर मार्केट यानी गिरावट का संकेत नहीं माना गया। निफ्टी 50 फिलहाल करीब 3 गुना प्राइस-टू-बुक और लगभग 20 गुना प्राइस-टू-अर्निंग्स पर ट्रेड कर रहा है, जो लंबी अवधि के औसत के आसपास या थोड़ा नीचे है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़े गिरावट के बाद बाजार को उबरने में औसतन 24 महीने लगते हैं, जिससे यह साफ होता है कि शेयर बाजार में निवेश के लिए 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। रिपोर्ट के अनुसार, बैंकिंग सेक्टर अपनी अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में है। ग्रॉस एनपीए घटकर 2-2.5 प्रतिशत पर आ गया है, जबकि करीब 17.2 प्रतिशत का कैपिटल एडिक्रेसी रेशियो (सीआरएआर) बैंकों को बिना अतिरिक्त पूंजी के लगभग 94 लाख करोड़ रुपए तक कर्ज देने की क्षमता देता है। आर्थिक ग्रोथ और क्रेडिट की स्थिति मजबूत बनी हुई है, जिससे पूरे वित्तीय सिस्टम को मजबूती मिल रही है और अर्थव्यवस्था के विस्तार को सहारा मिल रहा है।

मिर्जापुर में छात्रों ने आशा भोसले को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मिर्ज़ापुर में शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक और संगीत प्रेमी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और आशा भोसले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। छात्रों ने उनकी याद में उनके प्रसिद्ध गीतों को गाकर वातावरण को भावुक बना दिया। कई विद्यार्थियों ने उनके जीवन और संगीत यात्रा पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने कहा कि आशा भोसले ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और उनकी आवाज़ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। शिक्षकों ने छात्रों को उनके योगदान से सीख लेने और संगीत के प्रति समर्पण बनाए रखने की प्रेरणा दी इस श्रद्धांजलि सभा ने यह साबित कर दिया कि आशा भोसले का संगीत हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेगा और उनकी विरासत कभी भुलाई नहीं जा सकेगी।

कमांडर सम्मेलन

अब युद्ध में अग्रिम मोर्चा संभालेंगे ड्रोन, सेना की नई आधुनिक इकाइयों की भी होगी समीक्षा

नई दिल्ली। दुनिया में जारी युद्धों में ड्रोन वॉरफेयर की बढ़ती भूमिका देखते हुए सेना अब अपने अग्रिम मोर्चों को मानव रहित हवाई प्रणालियों (यूएवी) से पूरी तरह लैस करने की तैयारी में है। दिल्ली में सोमवार से शुरू हुए चार दिवसीय कमांडर सम्मेलन में मल्टी डोमेन ऑपरेशंस के माहौल में इनके व्यापक उपयोग पर चर्चा की जा रही है। हाल के संघर्षों ने यह साफ किया है कि छोटे और सस्ते ड्रोन भी युद्ध की दिशा बदल सकते हैं। ऐसे में अग्रिम मोर्चों पर हमलावर ड्रोन की तैनाती और उनके संचालन की रणनीति तैयार की जाएगी। दुश्मन के ड्रोन को बेअसर करने के लिए अधिक ड्रोन-रोधी तकनीकें शामिल करने पर भी बात होगी। साल 2026 को इयर ऑफ नेटवर्किंग एंड डाटा सेंट्रिसिटी घोषित करने के बाद यह सेना का पहला बड़ा सम्मेलन है। सेना का जोर ड्रोन से मिलने वाले डाटा को रीयल-टाइम में कमांड सेंटर्स तक पहुंचाने और सटीक स्ट्राइक सुनिश्चित करने पर है। सम्मेलन का एक फोकस मल्टी डोमेन ऑपरेशंस भी है, जिसमें थल, जल और नभ के साथ ही साइबर और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में एकीकृत युद्ध लड़ने की क्षमता विकसित करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

सम्मेलन में कैबिनेट सचिव डॉ टीवी सोमनाथन, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष आलोक जोशी सेना के समक्ष सरकार का दृष्टिकोण रखेंगे। रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान जैसे बदलते भू-राजनीतिक हालातों और उनसे राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों पर भी चर्चा करेंगे। साथ ही सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भी अपना सामरिक विषयों पर अपना रुख साझा करेंगे।

ईरान संग खुलकर आया चीन, ट्रंप को दे दी वॉर्निंग

हमारे मामले में दखल नहीं...

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर से बढ़ गया है। पाकिस्तान में हुई शांति वार्ता फेल होने के बाद दोनों ही एक-दूसरे पर निशाना साधते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जहां होर्मुज पर नाकाबंदी का ऐलान किया है, तो वहीं ईरान ने पलटवार करते हुए तेल को लेकर वार्निंग दे डाली है। इस बीच ट्रंप की ओर से चीन को दी गई टैरिफ धमकी पर अब ड्रैगन ने भी अटैक किया है और ईरान के साथ खुलकर खड़ा हो गया है। चाईना ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि, हमारे मामले में दखल न दें। डोनाल्ड ट्रंप ईरान को लेकर धड़ाधड़ एक्शन लेते नजर आ रहे हैं और उनके ज्यादातर फैसलों से न सिर्फ ईरान, बल्कि चीन भी प्रभावित हो रहा है। चीन द्वारा ईरान को सैन्य हथियारों की मदद करने से जुड़े इंटेल के बाद बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया था और कहा था कि चीन द्वारा ईरान की सैन्य मदद करने से जुड़े सवाल पर ट्रंप ने कहा था कि, इसके परिणाम गंभीर होंगे। मुझे शक है कि वे ऐसा करेंगे, अगर हमने उन्हें ऐसा करते हुए पकड़ लिया, तो उन पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगेगा, जो कि सचमुच एक बहुत बड़ी रकम है।

अब चीन ट्रंप की धमकियों के बीच खुलकर ईरान के साथ खड़ा नजर आ रहा है। डोनाल्ड ट्रपं की होर्मुज पर नाकाबंदी की घोषणा के बाद ड्रैगन ने ईरान का समर्थन किया है और अमेरिका को बड़ी चेतावनी भी दी है। ट्रंप के कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी रक्षा मंत्री डोंग जून ने कहा कि, बीजिंग दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है और मध्य पूर्व की स्थिति पर नजर रख रहा है। उन्होंने आगे सख्त लहजे में कहा कि, हमारे जहाज होर्मुज स्ट्रेट में लगातार आ-जा रहे हैं। ईरान के साथ हमारे व्यापारिक और ऊर्जा समझौते हैं। हम उनका सम्मान करेंगे और उम्मीद करते हैं कि कोई और हमारे मामलों में दखल न दे। होर्मुज पर ईरान का कंट्रोल है और यह हमारे लिए खुला है।

होर्मुज पर यूएस का कंट्रोल, चीन पर चोट

दुनिया की तेल जरूरतों को पूरा के लिए सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर नाकाबंदी को लेकर अमेरिका ने कदम पाकिस्तान में हुई अमेरिका-ईरान बातचीत के बेनतीजा निकलने के बाद उठाया है। इस नाकाबंदी से चीन की एनर्जी सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो सकती है, क्योंकि चीन, ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। ऐसे में होर्मुज में शिपमेंट से जुड़ी किसी भी तरह की रुकावट से न सिर्फ ईरान के रेवेन्यू को चोट लगेगी, बल्कि चीन की तेल सप्लाई में बड़ी परेशानी पेश आ सकती है, जो चीन इकोनॉमी के लिए अच्छी नहीं है। यही कारण है कि ट्रंप की धमकी के बाद चीन बौखलाया नजर आ रहा है। गौरतलब है कि यूएस सेंट्रल कमांड ने राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश का हवाला देते हुए कहा था कि सोमवार को ईरानी बंदरगाहों में आने-जाने वाले सभी समुद्री यातायात की नाकाबंदी शुरू होगी। अरब की खाड़ी और ओमान की खाड़ी पर स्थित सभी ईरानी पोर्ट्स समेत तटीय क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले या वहां से निकलने वाले सभी देशों के जहाजों के खिलाफ नाकाबंदी निष्पक्ष रूप से लागू होगी। हालांकि, अमेरिकी सेना गैर-ईरानी बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों को बाधित नहीं करेगी।

ट्रंप के निशाने पर चीन

अमेरिका की ईरान से जंग हो या फिर वेनेजुएला में स्ट्राइक, कहीं न कही निशाने पर चीन रहा है। यही वजह है कि चीन अब खुलकर ईरान के समर्थन में खड़ा हो गया है और ऐसा हो भी क्यों न आखिर उसकी एनर्जी सुरक्षा जो खतरे में है। पहले वेनेजुएला के तेल पर कंट्रोल करके ट्रंप ने चीन पर चोट की थी, क्योंकि वहां के तेल का चीन प्रमुख खरीदार था। तो वहीं ईरानी तेल का भी सबसे बड़ा ग्राहक चीन ही है, तो ट्रंप ने ईरान पर अटैक कर एक तीर से दो निशाने साधे हैं।

कर्नाटक की सियासी रस्साकशी: परमेश्वर बोले- पद की चाह गलत नही,

एजेंसी, बंगलुरू

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के अंदर इन दिनों कैबिनेट फेरबदल को लेकर हलचल तेज हो गई है। इसी बीच कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि विधायकों का मंत्री बनने की इच्छा रखना बिल्कुल गलत नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि कई विधायक ऐसे हैं जो दो-तीन बार चुनाव जीत चुके हैं और उनके पास अनुभव भी है, इसलिए वे मंत्री पद संभालने के पूरी तरह योग्य हैं। उनके मुताबिक, अगर विधायक अपनी राजनीतिक तरक्की के लिए मंत्री बनने की इच्छा जताते हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है।

दरअसल, इन दिनों कर्नाटक के कई कांग्रेस विधायक दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और पार्टी हाईकमान से कैबिनेट में जगह देने की मांग कर रहे हैं। इनमें वरिष्ठ और पहली बार जीतकर आए विधायक दोनों शामिल हैं। वे चाहते हैं कि मंत्रिमंडल में फेरबदल कर उन्हें भी मौका दिया जाए। गृह मंत्री परमेश्वर ने यह भी साफ किया कि कैबिनेट में बदलाव का अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व ही करता है। उन्होंने कहा कि इस पर फैसला मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पार्टी हाईकमान और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार मिलकर लेते हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस में पहले से एक तय प्रक्रिया है, जिसके तहत प्रदेश अध्यक्ष, विधायक दल के नेता और पार्टी के प्रभारी मिलकर नाम तय करते हैं, फिर उसे आलाकमान के पास मंजूरी के लिए भेजा जाता है। मंजूरी मिलने के बाद ही अंतिम घोषणा होती है, और आज भी यही प्रक्रिया अपनाई जा रही है। वरिष्ठ नेताओं को हटाकर नए चेहरों को मौका देने के सवाल पर परमेश्वर ने कहा कि अगर पार्टी हाईकमान ऐसा फैसला करता है तो सभी को उसे मानना होगा।

दून में संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

आईएसआई के नए माड्यूल का हिस्सा था विक्रांत, जांच में हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

एजेंसी, देहरादून

झाझरा से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी विक्रांत कश्यप के मामले में जांच एजेंसियों को कई हैरान कर देने वाले इनपुट मिले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि विक्रांत पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक नए मॉड्यूल का हिस्सा था जो देश के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय था।

जांच एजेंसियों के मुताबिक इस मॉड्यूल को बेहद सुनियोजित तरीके से तैयार किया गया था। इसमें शामिल प्रत्येक सदस्य को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं ताकि किसी एक के पकड़े जाने पर पूरे नेटवर्क का खुलासा न हो सके। सूत्रों के अनुसार कुछ सदस्यों को संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों की रेकी (सर्विलांस) का काम दिया गया था। कुछ लोगों को लॉजिस्टिक सपोर्ट जैसे ठिकाने, संसाधन और आवाजाही की व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी। अन्य को सोलर वाई-फाई कैमरे इंस्टॉल करने का कार्य सौंपा गया था जिससे बिना संदेह पैदा किए लगातार निगरानी की जा सके। बताया जा रहा है कि इन कैमरों के जरिये महत्वपूर्ण लोकेशनों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और डेटा को रिमोट तरीके से एक्सेस किया जा सकता था। विक्रांत की गिरफ्तारी से पहले ही इस माड्यूल से जुड़े करीब 32 संदिग्ध उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान में गिरफ्तार हो चुके हैं। देशभर में फैला यह पूरा नेटवर्क एक बड़ी साजिश का हिस्सा माना जा रहा है। केंद्रीय एजेंसियां और एसटीएफ अब इस मॉड्यूल के अन्य सदस्यों, उनके फंडिंग सोर्स और संभावित टारगेट्स की गहन जांच में जुटी हैं। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस नेटवर्क के तार देश के बाहर किन-किन जगहों से जुड़े हैं।

यूएन प्रमुख ने की अमेरिका और ईरान से बातचीत जारी रखने की अपील

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी रखने की अपील की है। यह जानकारी उनके प्रवक्ता ने दी।

प्रवक्ता स्टेफान दुजारिक ने बताया कि पाकिस्तान में आयोजित इस्लामाबाद वार्ता में संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता नहीं हो सका, लेकिन बातचीत से यह साफ हुआ कि दोनों पक्ष गंभीरता से संवाद कर रहे हैं। इसे आगे की बातचीत के लिए एक सकारात्मक और महत्वपूर्ण कदम माना गया।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच गहरे मतभेद हैं, इसलिए कोई समझौता तुरंत नहीं हो सकता। ऐसे में बातचीत को जारी रखना जरूरी है ताकि धीरे-धीरे समाधान निकल सके। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि कई हफ्तों से चल रही तबाही और तनाव के बाद अब यह साफ हो गया है कि इस संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है। प्रवक्ता ने कहा कि हफ्तों की तबाही और संकट के बाद, अब यह साफ हो गया है कि मौजूदा संघर्ष का कोई भी सैन्य समाधान नहीं है।

ईडी ने आई-पैक के सह-संस्थापक को किया गिरफ्तार, अभिषेक बनर्जी ने उठाए सवाल

कोलकात। आई-पैक के सह-संस्थापक विनेश चंदेल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है, जो पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़ा हुआ है। इस पर टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने चिंता जताई है। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आई-पैक के सह-संस्थापक विनेश चंदेल की पश्चिम बंगाल चुनाव से लगभग 10 दिन पहले गिरफ्तारी केवल चिंताजनक ही नहीं है, बल्कि यह समान अवसर की भावना को भी हिला देती है। जब पश्चिम बंगाल को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की ओर बढ़ना चाहिए, ऐसे समय में इस तरह की कार्रवाई यह संदेश देती है कि अगर आप विपक्ष के साथ काम करते हैं तो आप भी अगला निशाना बन सकते हैं। यह लोकतंत्र नहीं, बल्कि डराने की स्थिति है। उन्होंने आगे लिखा कि यह बात और भी ध्यान देने योग्य है कि जिन लोगों पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, वे पक्ष बदलते ही सुरक्षा में आ जाते हैं, जबकि दूसरों को राजनीतिक रूप से सुविधाजनक समय पर तेजी से निशाना बनाया जाता है।

दोपहर मेट्रो

देश की महिलाओं के नाम पीम मोदी का खुला पत्र

महिला आरक्षण की बात दोहराई, कहा- लोकतंत्र होगा मजबूत

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के नाम एक लिखा है। इसमें उन्होंने कहा, अगर 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ होते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र और भी मजबूत और जीवंत बनेगा। पीएम ने देश की महिलाओं को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। इसलिए संसद और विधानसभाओं में उनकी भागीदारी बढ़ना बहुत जरूरी है।

केंद्र सरकार ने 16 अप्रैल से संसद की तीन दिनों की विशेष बैठक बुलाई है। इस बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि इस काम में अब और देरी करना भारत की महिलाओं के साथ अन्याय होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की बेटियां अपने हक के लिए अब और ज्यादा इंतजार नहीं कर सकतीं। उनके अनुसार, जब सदन में महिलाओं की आवाज बुलंद होगी, तो लोकतंत्र भी मजबूत होगा।

बदलाव के लोकसभा की कुल सीटें बढ़कर हो जाएंगी 816

इन बदलावों के पास होने के बाद लोकसभा की कुल सीटें बढ़कर 816 हो जाएंगी। इनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी। पीएम मोदी ने इस ऐतिहासिक कदम के लिए देश की करोड़ों महिलाओं से आशीर्वाद मांगा है। उन्होंने महिलाओं से एक खास अपील भी की है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने क्षेत्र के सांसदों को पत्र लिखें। वे सांसदों को इस ऐतिहासिक सत्र में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर भी यह पत्र साझा किया है।

2029 में लागू करने की आवश्यकता

संसद ने सितंबर 2023 में महिला आरक्षण कानून पास किया था। इसमें महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का नियम है। पुराने नियमों के हिसाब से यह आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता। इसका कारण यह था कि आरक्षण को जनगणना और सीटों के नए सिरे से निर्धारण (परिसीमन) की प्रक्रिया से जोड़ा गया था। अब सरकार नियमों में संशोधन कर रही है ताकि इसे 2029 के चुनाव से ही लागू किया जा सके।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564